KL Avril.

xi

xix N

viii iiii

N

xvi

v Id

xiii Id

ii

Id

x

Id

xviii

vii kl

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | A | kl' | s | aint amacle | 16 |
| xv | b | kl' | s | aint leonide | 17 |
| iiij | [illegible] | | s | aint iuapolite | 18 |
| | [illegible] | kl' | s | aint profert | 19 |
| xij | [illegible] | [illegible] | s | aint uictor | 20 |
| i | f | kl' | s | aint robert | 21 |
| | g | kl' | s | aint denis | 22 |
| ix: | A | kl' | s | aint george | 23 |
| | | kl' | | vigile. | 24 |
| xviij | [illegible] | kl' | s | aint marc | 25 |
| vij | d | kl' | [illegible] | anastaise | 26 |
| | e | kl' | s | aint uital | 27 |
| xv | f | kl' | s | aint germain | 28 |
| iiij | g | kl' | s | aint pere | 29 |
| | A | kl' | s | aint aytrope | 30 |

KL May

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| xi | b | | s | iaque. s. ph'e | [illegible] |
| | c | N | s | ainte anastaise | 2 |
| xix | d | N | s | ainte crois | 3 |
| viii | e | N | s | ain[illegible] | 4 |
| | f | N | s | [illegible] | 5 |
| xvi | g | N | s | aint iehan | 6 |
| v | a | Id | s | [illegible] silvain | 7 |
| | b | Id | s | aint [illegible] | 8 |
| xiii | c | Id | s | aint nichol | 9 |
| ii | d | Id | s | [illegible] | 10 |
| | e | Id | s | aint gengoull | [illegible] |
| xii | f | Id | s | aint [illegible] | 12 |
| i | g | Id | s | aint boniface. | 13 |
| | a | Id | s | aint | 14 |
| ix | b | Id | s | aint ysidoire | 15 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | c | kl' | s' | honore | 16 |
| xvii | d | kl' | s' | ambroise | 17 |
| vii | e | kl' | s' | aint felice | 18 |
| | f | kl' | se | potence | 19 |
| xv | g | kl' | se | nandille | 20 |
| iiii | A | kl' | s' | aubert | 21 |
| | b | kl' | s' | emille | 22 |
| xii | c | kl' | s' | desier | 23 |
| i | d | kl' | s' | aimmone | 24 |
| | e | kl' | s' | vrbain | 25 |
| ix | f | kl' | s' | augustin | 26 |
| | g | kl' | s' | cheron | 27 |
| xvii | A | kl' | s' | germain | 28 |
| vi | b | kl' | s' | maxenne | 29 |
| | c | kl' | s' | aint felix | 30 |
| xiiii | d | kl' | se | pronnelle | 31 |

Juing.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| iii | e | | s' | nicomede | 1 |
| | f | N' | s' | marcelin | 2 |
| xi | g | N' | s | liefart | 3 |
| | A | N' | s' | pantalin | 4 |
| xix | b | N' | s' | bonifacet | 5 |
| viii | c | Id' | s | aint [illegible] | 6 |
| | d | Id' | s | aint prors | 7 |
| xvi | e | Id' | s | mair | 8 |
| v | f | Id' | s' | felicien | 9 |
| | g | Id' | s | aint landri | 10 |
| xiii | A | Id' | s' | barnabe. | 11 |
| ii | b | Id' | s | aint basile | 12 |
| | c | Id' | s | aint leon | 13 |
| xii | d | Kl' | s | aint flour | 14 |
| i | e | Kl' | s | aint [illegible] | 15 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| iiij | f | kl' | s | saint fen | 16 |
| | g | kl' | s | saint lomoul | 17 |
| xij | a | kl' | s | saincte marine | 18 |
| i | b | kl' | s | saint geruais | 19 |
| | c | kl' | s | saint florent | 20 |
| ix | d | kl' | s | saint leufroy | 21 |
| | e | kl' | s | saint paulin | 22 |
| xvij | f | kl' | | vigile | 23 |
| vi | g | kl' | s | saint iehan | 24 |
| | a | kl' | s | saint eloy | 25 |
| xiiij | b | kl' | s | saint iehan | 26 |
| iij | c | kl' | s | saint polion | 27 |
| | d | kl' | | vigile | 28 |
| xi | e | kl' | s' | pere. s. pol. | 29 |
| | f | kl' | s | saint marcel. | 30 |

# KL Juillet.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| xix | g | | s | thybaut | 1 |
| viij | | N | s | aint proces | 2 |
| | b | N | s | aint apolin | 3 |
| xvi | c | N | s | aint martin | 4 |
| v | d | N | s | dominique | 5 |
| | e | Id | Oct. | s aint pere | 6 |
| xiij | f | Id | s | aint thomas | 7 |
| ij | g | Id | s | aint procope | 8 |
| | | Id | s | aint zenon | 9 |
| x | b | Id | | Les .vij. freres | 10 |
| | c | Id | s | aint benoit | 11 |
| xviij | d | Id | s | aint sist. | 12 |
| vij | e | Id | s | amien | 13 |
| | f | Kl | s | aint | 14 |
| xv | g | Kl | s | aint bertin | 15 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| iiij | A | kl' | s alixi | 16 |
| | b | kl' | s aint pnath | 17 |
| xij | c | kl' | s' einoul | 18 |
| i | d | kl' | s amitiuſt | 19 |
| | e | kl' | s'e margueritte | 20 |
| ix | f | kl' | s' pnicatte | 21 |
| | g | kl' | s a magdalene | 22 |
| xviij | A | kl' | s' apolinaire | 23 |
| vij | b | kl | s'e cristine | 24 |
| | c | kl' | s iaque. s. xpofle. | 25 |
| xv | d | kl' | s' marcel | 26 |
| iiij | e | kl' | les. vij. dormans | 27 |
| | f | kl' | s'e anne | 28 |
| xij | g | kl' | s aint felix | 29 |
| i | A | kl' | s aint abdon | 30 |
| | b | kl' | s' germain | 31 |

KL Aoust

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ix | e | | S aint pere | 1 |
| | d | N | s estienne | 2 |
| xvii | c | N | s estienne | 3 |
| vi | f | N | s osonans | 4 |
| | g | N | s aint [illegible] | 5 |
| xiiii | A | Id | s aint sist | |
| iii | b | Id | s aint dõne | |
| | c | Id | s [illegible] | |
| xi | d | Id | vigile | |
| | e | Id | S lorens | |
| xix | f | Id | s e[illegible] | |
| viii | g | Id | s ainte clair | |
| | A | Id | s [illegible] | |
| xvi | b | kl | vigile | |
| v | c | kl | Nostre dame | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| xii | d | kl' | s aint rouier | 16 |
| i | e | kl' | Oct. s aint lorens | 17 |
| | f | kl' | s aint agapit | 18 |
| ix | g | kl' | s aint ginart | 19 |
| | A | kl' | s aint bernart | 20 |
| xvii | b | kl' | s aint priuat | 21 |
| vi | c | kl' | s aint simforien | 22 |
| | d | kl' | s aint timothee | 23 |
| xiiii | e | kl' | s' berthelemi | 24 |
| iii | f | kl' | s aint loys | 25 |
| | g | kl' | s aint abondon | 26 |
| xi | A | kl' | s aint george | 27 |
| | b | kl' | s aint augustin | 28 |
| xix | c | kl' | s aint iehan | 29 |
| viii | d | kl' | s aint fiacre | 30 |
| | e | kl' | s aint paulin | 31 |

Septembre.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| xvi | f | | S iaque. ẽ. pphe | |
| v | g | N' | s aint [illegible] | 2 |
| | A | N' | s aint godegran | 3 |
| xiii | b | N' | s aint marcel | 4 |
| ii | c | N' | s aint [illegible] | 5 |
| | d | Id' | s aint donacien | 6 |
| x | e | Id' | s aint cloust | 7 |
| | f | Id' | Nostre dame. | |
| xviii | g | Id' | s aint [illegible] | |
| vii | A | Id' | s aint [illegible] | |
| | b | Id' | s aint prothun | |
| xv | c | Id' | s aint [illegible] | |
| iiii | d | Id' | s aint [illegible] | |
| | e | kl' | s ainte croiz | |
| xii | f | kl' | s aint | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| i | g | kl | s | mathelin | 16 |
| | A | kl | s | lucfait | 17 |
| ix | b | kl | s | pantalun | 18 |
| | c | kl | s | ligne | 19 |
| xvii | d | kl | | vigile | 20 |
| vi | e | kl | s | mathieu | 21 |
| | f | kl | s | morice | 22 |
| xiiii | g | kl | s | aint teele | 23 |
| iii | A | kl | s | e pece | 24 |
| | b | kl | s | firmin | 25 |
| xi | c | kl | s | cyprien | 26 |
| | d | kl | s | cosme. s. da. | 27 |
| xix | e | kl | s | proisme | 28 |
| viii | f | kl | s | michiel. | 29 |
| | g | kl | s | ierosme | 30 |

Octobre

| | | | |
|---|---|---|---|
| xvi | A | | s' renni |
| v | b | n | s' leger |
| xiii | c | n' | s' victor |
| ii | d | n | s' francois |
| | e | n' | s' e rpint |
| x | f | no' | s' e foy |
| | g | id' | s' marc |
| xviii | A | id' | s' demetre |
| vii | b | id' | s' **aint denis** |
| | c | id' | s' gereon |
| xv | d | id' | s' maraire |
| iiii | e | id' | s' aint venant |
| | f | id' | s' aurien |
| xii | g | id' | s' aint calix |
| | A | Kl' | s' aint lucan |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | b | kl | s. saint gall | 16 |
| ix | c | kl | s. saint denum | 17 |
| | d | kl | **s. saint lucas.** | 18 |
| xvii | e | kl | s. saint hutennus | 19 |
| vi | f | kl | s. saint capraise | 20 |
| | g | kl | les. xi. mil. virgines | 21 |
| xiiii | A | kl | s. saint mellun | 22 |
| iii | b | kl | s. saint quintin | 23 |
| | c | kl | s. saint magloire | 24 |
| xi | d | kl | s. saint crespin | 25 |
| | e | kl | s. saint amant | 26 |
| xix | f | kl | vigile. | 27 |
| viii | g | kl | **s. symon. s. jude.** | 28 |
| | A | kl | s. saint narcisse | 29 |
| xvi | b | kl | s. saint lucain | 30 |
| v | c | kl | vigile. | 31 |

## Nouembre.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | d | | La tous sains | [illegible] |
| xiii | e | f. | Le iour des mors | [illegible] |
| ii | f | N' | s. aint marcel | [illegible] |
| | g | N' | s. aint cler | [illegible] |
| x | A | N' | s. aint [illegible] | [illegible] |
| | b | id | s. ainct lienart | 6 |
| xviii | c | id' | s. aint [illegible] | 7 |
| iii | d | vi id | Les iiii couronnes | [illegible] |
| | e | id' | s. aint theodore | [illegible] |
| xi | f | iii id | s. aint [illegible] | [illegible] |
| | g | id' | s. aint martin | 11 |
| xix | A | | s. aint leon | [illegible] |
| viii | b | id' | s. aint brice | [illegible] |
| | c | kl' | s. aint maclo | [illegible] |
| xv | d | kl' | s. ainte fauce. | [illegible] |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ix | c | kl | s. aignien | 16 |
| | d | kl | s. magdaine | 17 |
| xvii | e | kl | s. romanain | 18 |
| vi | f | kl | s. emont | 19 |
| | g | kl | s. columbin | 20 |
| xiiii | c | kl | s. marie ocalle | 21 |
| iii | d | kl | s. amet | 22 |
| | e | kl | s. clement | 23 |
| xi | f | kl | s. grisogone | 24 |
| | a | kl | se katherine | 25 |
| xix | b | kl | s. genevieve | 26 |
| viii | | kl | s. aint uton | 27 |
| | c | kl | s. ruphin | 28 |
| xvi | d | kl | vigile | 29 |
| v | e | kl | s. andri michel | 30 |

Secundum iohannem

In principio erat uer
bum et uerbum erat
apud deum et deus erat uer
bum. Hoc erat in principio a
pud deum. Omnia per ipsum
facta sunt et sine ipso factum
est nichil. Quod factum est i
ipso uita erat et uita erat lux
hominum et lux in tenebris
lucet et tenebre eam non com
prehenderunt. Fuit homo missus
a deo cui nomen erat iohannes:

Hic venit in teſtimonium
ut teſtimonium perhiberet
de lumine ut omnes crederēt
per illum. Non erat ille lux ſ;
ut teſtimonium perhiberet
de lumine. Erat lux vera q̄ il
luminat omnem hominē
venientem in hunc mūdū
In mundo erat et mundus p
ipm̄ factus eſt et mund' eū
non cognovit. In propria ve
nit et ſui eum non receperūt
Quot quot autem receperunt

eum dedit potestatem filios dei
fieri. hiis qui credunt in no
mine eius qui non ex sāgui
nibus neque ex voluptate car
nis. neque ex voluntate viri. sed
ex deo nati sunt et verbū caro
factum est. Et habitavit in no
bis et vidimus gloriam eius
gloriam quasi unigeniti a
patre plenum gratie et verita
tis. Deo gratias. Secundum lucam:
In illo tempore. Missus
est angelus gabriel

a deo in ciuitatem galilee cui
nomen erat ioseph de domo
dauid et nomen uirginis ma
ria. Et ingressus angelus ad
eam dixit. Aue gratia plena
dominus tecum. bn̄dicta tu
in mulieribus. Que cum au
disset turbata est in sermõe
eius. et cogitabat qualis esset
ista salutatio. Et ait angel'
Ne timeas maria inuenisti
enim gratiam apud dn̄m:
Ecce concipies in utero et paries

filium et uocabis nomen eī
ihm̄. Hic erit magnus et fi
lius altissimi uocabitur. Et
dabit illi dominus deus sedē
dauid patris eius et regnab'
in domo iacob in eternum
et regni eius non erit finis
Dixit autem maria ad ange
lum. Quomodo fiet istud qm̄
uirum non cognosco: Et res
pondens angelus dixit ei. Sp̄s
sanctus superueniet in te et
uirtus altissimi obumbra

bit tibi. Ideoque et quod naſce
tur ex te ſanctum vocabitur
filius dei. Et ecce elizabeth cog
nata tua et ipſa concepit fili
um in ſenectute ſua. et hic mē
ſis eſt ſextus illi que vocatur
ſterilis. quia non erit impoſ
ſibile apud deum omne uer
bum. Dixit autem maria:
Ecce ancilla domini. fiat mi
ſecundum uerbum tuum.

In illo ſecund' matheū
tempore. Cum nat'

esset ihūs in bethleem iude i
diebus herodis regis ecce ma
gi ab oriente venerunt ihe
rosolimam dicentes. Ubi
est qui natus est rex iudeo
rum. Vidimus enim stellā
eius in oriente et venimus
adorare eum. Audiens au
tem herodes rex turbatus est
et omnis iherosolima cum
illo. Et congregans omnes
omnes principes sacerdotū
et scribas populi sciscitabatur

ab eis ubi xp̄us nasceretur:
At illi dixerunt in bethleem
iude. Sic enim scriptum est
per prophetam. Et tu bethleē
terra iuda nequaquā minima
es in principibus iuda. Ex te
enim exiet dux qui regat po
pulum meum israel. Tunc
herodes clam uocatis magis
diligenter didicit ab eis. tem
pus stelle que apparuit eis. Et
mittens eos in bethleem dixit
Ite et interrogate diligenter de

puero. et cum inueneritis re
nunciate michi ut et ego ue
niens adorem eum. Qui cum
audissent regem abierunt
Et ecce stella quam uiderant
in oriente antecedebat eos usque
dum ueniens staret super ubi
erat puer. Uidentes autem
stellam gauisi sunt gaudio
magno ualde. Et intrantes
domum inuenerunt pue
rum cum maria matre eius
et procidentes adorauerunt eum

Et apertis thesauris suis ob
tulerunt ei munera. aurū
thus et mirram. Et responso
accepto in sompnis ne redi
rent ad herodem. Per aliam
uiam reuersi sunt in regio
nem suam. Deo gratias. Se
In illo cūd' marcum
tempore. Recumbenti
bus undecim discipulis ap
paruit illis ihūs et exprobra
uit incredulitatem illorum
et duriciam cordis. Quia hi

is qui uiderant eum resurre
xisse a mortuis non credide
runt. Et dixit eis. Euntes
in mundum uniuersum
predicate euangelium omni
creature. Qui crediderit et bap
tizatus fuerit saluus erit. Qui
uero non crediderit condemp
nabitur. Signa autem eos qui
crediderunt. hec sequentur. In
nomine meo demonia eici
ent. linguis loquentur no
uis serpentes tollent. et si mo:

tiferum quid biberint nõ eis
nocebit. Super egros manus
imponent et bñ habebunt. et
dominus quidem ihesus post
q̃ locutus eis assumptus est
in celum et sedet a dextris
dei. Illi autem profecti p̃di
caverunt ubiq; domino co
operante. et sermonem con
firmante sequentibus signis
Deo gratias Passio domini
nostri ihũ xpi secundum io
hannem. Sine gloria tibi dñe

Apprehendit pylat'
ihm̄ et flagellauit
eum. et milites plectantes
coronam de spinis imposue-
runt sup caput eius. ⁊ ueste
purpurea circumdederunt eū
⁊ ueniebant ad eū et dicebāt
Aue rex iudeorū. Et dabāt ei a-
lapas. Et expuentes in eum
acceperunt arūdinē et
percutiebāt caput eius. Suſ-
ceperunt autē milites ihm̄
et baiulabāt sibi crucē. exie-

runt in illum locum qui dicitur cal
uarie locus. Et ibi crucifixerunt
eum. Et cum eo duos latro
nes hinc et hinc medium autem
ihesum. Poſtea ſciens ihesus omnia
que ſcripta erant de eo dixit.
ſicio. Illi autem acceperunt
ſpongiam plenam aceto
yſopo. Et circumponentes obtul
lerunt ori eius. Et cum guſtaſſet nolu
it bibere. Et dixit conſummatum eſt
Et inclinato capite tradidit
ſpiritum. Et ſtatim terremotus

ſol obſcuratus eſt. et petre
ſciſſe ſunt. et monumenta aperta ſunt
et qui dormierant ſurrexerunt.
Quo indicio centurio dixit. vere filius
dei erat iſte. Tandem unus mi
litum lancea latus eius aperuit. et
continuo exivit ſanguis et aqua. et
qui vidit hec teſtimonium perhi
buit. Et ſcimus quia verum eſt
teſtimonium eius. Deo gratias
Deus qui manus tu
as et pedes tuos et to
tum corpus tuum pro nobis pecca

toribꝫ miſeris ī ligno crucis
voluiſti + coronā ſpinarū cam
nes t̄ ipſa ſtāi deſpectu tui ſacraſ
ſimi corporis ſuſtinuiſti. Et
quiꝗꝫ vulnera p̄ nob̄ paſſ͛ fui
ſti da nob̄ hodie et omni die vſqꝫ
penitentiae p̄ſeuerantiae humilita
tis caſtitatis lumen ſenſuum
et intellectum verum conti
nuam vſqꝫ in finem ſeculi
per te ihū xp̄e ſaluator mūdi
Qui viuis et regnas deus. p
omnia ſecula ſeculorū. amen

bauerunt et uiderunt opera
mea. Dominus tecum. Qua
draginta annis proximus
fui generationi huic et dixi
semper hii errant corde ipsi
uero non cognouerunt uias
meas quibus iuraui in ira
mea si introibunt in requi
em meam. Aue maria gratia
plena dominus tecum. Glo
ria patri et filio et spiritui sancto:
sicut erat in principio et nunc
et semper et in secula seculorum

amen. Dominus tecum. Aue m̄
gratia plena dominus tecum. hy̅.
Quem terra pontus
ethera colunt adorāt
predicant trinam regentem
machinam claustrum ma
ne baiulat. Cui luna sol
et omnia deseruiunt p̄ tem
pora perfusa celi gratia gest
ant puelle uiscera. Be
ata mater munere cuius su
nus artifex mundum pu
gillo continens uentris sub

archa clausus est. Beata
celi nuncio fecunda sancto
spiritu desideratus gentib;
cuius per aluum fusus est.
Maria mater gratie mr̃
misericordie tu nos ab hoste protege et
hora mortis suscipe. Glo
ria tibi domine qui natus es
de virgine cum pr̃e et sancto
spiritu in sempiterna secula
Amen. ant. Benedicta tu. ps.
Domine dominus nr̃
quam admirabile est no

men tuum in universa terra
Quoniam elevata est
magnificencia tua super ce
los. Ex ore infancium
et lactencium perfecisti lau
dem propter inimicos tuos
ut destruas inimicum et ul
torem. Quoniam vide
bo celos tuos opera digitorum
tuorum lunam et stellas
que tu fundasti. Quid
est homo quod memor es ei
aut filius hominis quoniam

uisitas eum. Minuisti
paulominus ab angelis glo
ria et honore coronasti eum
et constituisti eum super opera
manuum tuarum. Om
nia subiecisti sub pedibus eius
oues et boues uniuersas in
super et pecora campi. Uo
lucres celi et pisces maris q
perambulant semitas maris.
Domine dominus noster
quam admirabile est nomen
tuum in uniuersa terra.

Gloria patri et filio et cetera.
Celi enarrant glori-
am dei et opera ma-
nuum eius annunciat fir-
mamentum. Dies diei
eructat verbum et nox nocti
indicat scienciam. Non
sunt loquele neque sermones
quorum non audiantur
voces eorum. In omnem
terram exivit sonus eorum
et in fines orbis terre verba
eorum. In sole posuit ta-

tem tabernaculum suum et ipse tã
q̃ sponsus procedens de tha
lamo suo. Exultavit
ut gigas ad currendã viam:
a summo celo egressio eius
Et occursus eius usque ad
summum eius nec est qui
se abscondat a calore eius.
Lex domini immacu
lata convertens animas:
testimonium domini fide
le sapientiam prestans p
vulis. Iustitie domini

recte letificantes corda p̄cep
tum domini lucidum illu
minans oculos. Timor
domini sanctus permanet
in seculum seculi preceptum
domini lucidum illuminans
oculos. Timor domini
sanctus permanet in seculum
seculi iudicia domini vera
iustificata in semetipsa.
Desiderabilia super au
rum et lapidem preciosum
multum et dulciora super

mel et fauum. Etenim
seruus tuus custodit ea in
custodiendis illis retribu
cio multa. Delicta quis
intelligit ab occultis meis
munda me domine et ab a
lienis parce seruo tuo. Si
mei non fuerint dominati
tunc immaculatus ero et e
mundabor a delicto maximo.
Et erunt ut complaceant
eloquia oris mei et me
ditacio cordis mei in conspectu

nio semper. Domine ad
iutor meus et redemptor me
meus. Gloria patri et filio
Domini est terra et ple
nitudo eius orbis
terrarum et universi qui ha
bitant in eo. Quia ipse super
maria fundavit eum et su
per flumina preparavit eum
Quis ascendet in mon
tem domini aut quis stabit
in loco sancto eius. In
nocens manibus et mundo

corde qui non accepit in ua
no animam suam nec iu
rauit in dolo proximo suo.
Hic accipiet benedictio
nem a domino et misericordia
deo salutari suo. Hec est
generatio querentium eum
querentium faciem dei iacob
Attollite portas princi
pes uestras et eleuamini por
te eternales et introibit rex
glorie. Quis est iste rex glo
rie dominus fortis et potens

dominus [illegible] prelio.

Attollite portas princi
pes vestras et elevamini por
te eternales et introibit rex
glorie. Quis est iste rex
glorie dominus virtutum
ipse est r[illegible]
pri et fi[illegible]
[illegible]
[illegible] et bene
dictus fructus ventris tui. ℣. Diffusa
est gratia in labiis tuis. ℟. Prop
terea benedixit te deus in eternum. Iube

[illegible] uirgo uir
[illegible] dar u [illegible] am. a
xrata ma [illegible] s ti
bi dique [illegible] at in
[illegible] laudum pre
[illegible] gula
[illegible] co sueuit
[illegible] bi laudes
[illegible] ni genetris
[illegible] e solo tuo comer
[illegible] piandi aditum inue
nit atque itaque qua scilicet me
ritis tuis impares gratias [illegible]

Am [illegible]
te [illegible]
in [illegible] pu [illegible]
it [illegible]
Beata es uirgo [illegible]
portasti [illegible]
sti qui te f [illegible]
nes uirgo. [illegible]
plena dominu [illegible]
qui te fecit et in eternum perma
nes uirgo. Iube domne benedicere
Ore uox pia pro nobis uirgo ma
ria. Amen. lectio secunda.

... maria
... de x
... filia
... mat
... nobis ex
... bigit etherna
... deleam
... autem do
... eum. Deo gratias

Sancta et immaculata virginitas quibus te laudibus referam nescio quia quem celi non poterant capere tuo gremio contulisti. ℟. Benedicta tu in

unibe[illegible]

tis [illegible]

pot[illegible]

le dom[illegible]

[illegible]

[illegible]

conspe[illegible]

nequiunt conspectu [illegible]

pio interuentu culpas nr̄as

abluent pctr̃ius ſedem glo

rie per te redempti valeamus

ſcandere ubi manes cum electis

... [illegible] ... ayt. tin

... [illegible] ... m. Ego gs

... [illegible] ... tanc

... [illegible] ... in erte

... [illegible] ... quis teus in V

... [illegible] ... uctet pro tem

... [illegible] ... mpe tect ...

... [illegible] ... ancum quasi-

[illegible] ... omine ... ne

Quia ex te. Gloria patri et filio et spiritui sancto

... ma ex te ortus est sol iustitie xps deus n[oster]

Te deum laudamus te

dominum confitemur

regna celo[illegible] Tu ad dex-
teram de[illegible]
I[illegible]
Te ergo [illegible]
mulis tuis [illegible]
cioso sangui ne rede[illegible]
Eterna [illegible]
tis in gloria nume[illegible]
Salvum fac populum
tuum domine et benedic here-
ditati tue. Et rege eos et extol-
le illos usque in eternum. Per
singulos dies benedicimus te.

Gloria pr̄i et filio et spiritui
sancto. Sicut erat in pri
cipio et nunc et semper et in
secula seculorum. amen. añ
O admirabile. psalmus david
Dominus regnavit,
decorem indutus est
indutus est dominus forti
tudinem et precinxit se. Et
enim firmavit orbem terre qui
non commovebitur. Pa
rata sedes tua deus ex tunc a
seculo tu es. Elevaverunt

flumina domine eleuauerunt
flumina uocem suam. Ele-
uauerunt flumina fluctus
suos a uocibus aquarum mul-
tarum. Mirabiles elatio-
nes maris mirabilis in al-
tis dominus. Testimo-
nia tua credibilia facta sunt
nimis domum tuam decet
sanctitudo domine in longi-
tudinem dierum.
Jubilate deo omnis ter-
ra seruite domino in

leticia. Introite in cōspec
tu eius in exultatione. Sci
tote quoniam dominus ip
se est deus ipẽ fecit nos et nō ipsi
nos. Populus eius et o
ues pascue eius introite por
tas eius in confessione atri
a eius in hymnis confite
mini illi. Laudate nomē
eius quoniam suauis est do
minus in eternum mīa eius
et usq; in generatione et gene
ratione veritas eius. ps.

Deus deus meus ad te
de luce vigilo. Si-
tivit in te anima mea quam
multipliciter tibi caro me-
a. In terra deserta in via
et in aquosa sic in sancto ap-
parui tibi ut viderem virtute-
tuam et gloriam tuam. Quoni-
am melior est misericordia tua super vitas
labia mea laudabunt te. Sic
benedicam te in vita mea et i-
nomine tuo levabo manus
meas. Sicut adipe et pin-

guedine repleatur anima
mea et labiis exultationis
laudabit os meum. Si
memor fui tui super stratum
meum in matutinis medi
tabor in te quia fuisti adiu
tor meus. Et in velamen
to alarum tuarum exultabo
adhesit anima mea post te
me suscepit dextera tua. Ip
si vero in vanum quesierunt
animam meam introibunt
in inferiora terre tradentur

tur in manus gladii partes
vulpium erunt. Rex vo
letabitur in deo laudabuntur
omnes qui iurant i eo quia
obstructum est os loquencium
iniqua. psalmus david
Deus misereatur nost'
et benedicat nobis il
luminet vultum suum su
per nos et misereatur nostri.
Ut cognoscamus in terra
viam tuam in omnibus gen
tibus salutare tuu. Co

fiteantur tibi populi deus con
fiteantur tibi populi omnes
Letentur et exultent gen
tes quoniam iudicas popu
los in equitate et gentes in ter
ra dirigis. Confiteantur
tibi populi deus confiteantur
tibi populi omnes terra de
dit fructum suum. Be
dicat nos deus deus noster be
nedicat nos deus et metuant
eum omnes fines terre. Glo
ria patri et filio et spiritui sancto

Benedicite omnia o
pera domini domi-
no laudate et superexaltate
eum in secula. Bened[icite]
angeli domini domino be
nedicite celi domino Be
nedicite aque omnes que
super celos sunt domino be
nedicite omnes virtutes do
mini domino Bened[icite]
sol et luna domino benedi
cite stelle celi domino Be
nedicite ymber et ros domino

bñd omnes ſpiritus dei dño
Benedicite ignis et eſtus
domino benedicite frigus et
eſtas domino. Benedi
cite rores et pruina domino
benedicite gelu et frigus dño
Benedicite glacies et nives
domino bñdicite noctes et dies
domino. Benedicite lux
et tenebre domino benedicite
frigus et eſtas domino. Be
nedicat terra dominum lau
det et ſuperexaltet eum in ſcl'a

Benedicite montes et
colles domino benedic univer
sa germinancia in terra dno
Benedicite fontes domi
no bndicite maria et flumi
na domino. Benedicite
cete et omnia que moventur
in aquis domino benedicite
omnes volucres celi domino
Benedicite omnes bestie
et pecora domino bndicite filii
hominum domino. Bene
dicat israel dnm laudet et su

perexaltet eum in ſecula.
Benedicite ſacerdotes do-
mini domino bñdicite ſerui do-
mini domino. Benedi-
cite ſpiritus et anime iuſtorum
domino bñdicite ſancti et hu-
miles corde domino. Be-
nedicite anania azaria miſa-
el domino laudate eum in ſecula
Benedicamus patrem
et filium cum ſancto ſpiri-
tu laudemus et ſuperexalte-
mus eum in ſecula. Be

Benedictus es domine in firma
mento celi et laudabilis et
gloriosus et superexaltatus
in secula. Gloria patri et c.
Laudate dominum
de celis laudate eum
in excelsis. Laudate eum
omnes angeli eius laudate
eum omnes virtutes eius.
Laudate eum sol et lu
na laudate eum stelle et lu
men. Laudate eum celi
celorum et aque que super ce

los ſunt laudent nomen dñi
Quia ipſe dixit et facta ſt
ipſe mandauit et creata ſunt
Statuit ea in eternum
et in ſeculum ſeculi precep
tum poſuit et non preteribit
Laudate dominum de ter
ra dracones et omnes abiſ
ſi. Ignis grando nix gla
cies ſpiritus procellarum q̃
faciunt uerbum eius. Mon
tes et omnes colles ligna fruc
tifera et omnes cedri. Be

stie et universa pecora serpen
tes et volucres pennate. Re
ges terre et omnes populi pri
cipes et omnes iudices terre.
Iuvenes et virgines
senes cum iunioribus lau
dent nomen domini quia
exaltatum est nomen eius
solius. Confessio eius
super celum et terram et exal
tavit cornu populi sui. Hy
mnus omnibus sanctis eius
filiis israel populo appropi

quanti sibi. psalmus dauid
Cantate domino cā
ticum nouum laus
eius in ecclesia sanctorum. Le
tetur israel in eo qui fecit eū
et filie sion exultent in rege
suo. Laudent nomē eī
in choro in tympano & psal
terio psallant ei. Quia
bn̄placitum est domino in
populo suo et exaltabit mā
suetos eius in salute. Ex
ultabunt sancti in gloria

letabuntur in cubilib; suis
Exultaciones dei in gut
ture eorum et gladii ancipi
tes in manibus eorum. Ad
faciendam vindictam in na
cionibus increpaciones in
populis. Ad alligan
dos reges eorum in compe
dibus et nobiles eorum in
manicis ferreis. Ut fa
ciant in eis iudicium conscrip
tum gloria hec est omnib;
sanctis eius.

Laudate dominum in
sanctis eius laudate
eum in firmamento virtu
tis eius. Laudate eum
in virtutibus eius laudate
eum secundum multitudinem
magnitudinis eius. Lau
date eum in sono tube laudate
eum in psalterio et cythara.
Laudate eum in tympa
no et choro laudate eum in cor
dis et organo. Laudate eum
in cymbalis benesonantibus

laudate eum in cymbalis iubi
lacionis omnis spiritus lau
det dominum. Gloria patri
O admirabile commercium creator
generis humani animatum corpꝰ
sumens de virgine nasci dignatus
es et procedens homo sine semine lar
gitus est nobis suam deitatem. cap
Beata es maria que do
minum portasti cre
atorem mundi: genuisti qui
te fecit et in eternum perma
nes virgo. Deo gracias. kyrie

O gloriosa domina ex
celsa supra sidera q̄
te creavit provide lactasti sa
cro ubere. Quod eva tri
stis abstulit tu reddis almo
germine intrant ut astra
flebiles celi fenestra facta es
Tu regis alti ianua ⁊ por
ta lucis fulgida vitam datam
per virginem gentes redemp
te plaudite. Maria mat̄
gracie mater mīe tu nos ab
hoste protege et hora mortis

ſuſcep Gloria tibi domine
qui natus es de virgine cū pře
et ſancto ſpiritu in ſempiter-
na ſecula. amen. ℣. Elegit eā
deus et preelegit eam. ℟. Et habitare
eam facit in tabernaculo ſuo. Ant.
O glorioſa. Canticum ſymōis
Benedictus dominus
deus iſrael quia vi-
ſitavit et fecit redemptionē
plebis ſue. Et erexit cor-
nu ſalutis nobis in domo
david pueri ſui. Sicut

locutus est per os sanctorum
qui a seculo sunt propheta
rum eius. Salutem ex
inimicis nostris et de manu
omnium qui oderunt nos
Ad faciendam misericordiam cum
patribus nostris et memora
ri testamenti sui sancti. Ius
iurandum quod iuravit
ad abraham patrem nostrum
daturum se nobis. Ut
sine timore de manu inimi
corum nostrorum liberati

ſeruiamus illi. In ſcita
te et iuſticia coram ipo omni
bus diebus noſtris. Et
tu puer propheta altiſſimi
vocaberis preibis enim ante
faciem domini parare vias
eius. Ad dandam ſcienti
am ſalutis plebi eius in re
miſſionem peccatorum eor
Per viſcera mīe dei nri
in quibus viſitauit nos ori
ens ex alto. Illumina-
re his qui in tenebris et in um

bra mortis ſedent ad dirigen
dos pedes noſtros in viam pa
cis. Gloria patri et filio etc.
A. O glorioſa dei genitrix que digne
meruiſti concipere quem totus [illegible]
[illegible] nos pia interuentu [illegible]
[illegible] ablue et perhennis ſede glorie pre[illegible]
[illegible] valeamus laude tibi manere [illegible]
[illegible] ſine tempore. [illegible] Orō
Concede nos famulos
tuos queſumus do
mine deus perpetua mentis
et corporis ſanitate gaudere

et glorioſa beate marie ſemp
virginis interceſſione a preſē
ti liberari triſticia. per xpm.
Deus qui corda fideliū
ſancti ſpiritus illu
ſtracione docuiſti da nobis i
eodem ſpiritu recta ſapere et
de eius ſemp conſolacōe gaudē. p
Deus qui apoſtolis tuis
ſcm̄ dediſti ſpm̄ cōce
de plebi tue pie peticōis effec
ut qb; dediſti fidem largiaris
et pacem. per xpm dominū.

nos ab hoſte protege et hora mor
tis ſuſcipe. Gloria tibi dñe
qui natus es de virgine cum
patre et ſancto ſpiritu in ſempi
terna ſecula. amen. antiph.
Benedicta tu. pſalmus dauid.
Beatus vir qui nõ abi
it in conſilio conſi
lio impiorum et in via pecca
torum non ſtetit et in cathed.
peſtilencie non ſedit. Sed
in lege domini voluntas ei⁹
et in lege eius meditabitur

die ac nocte. Et erit tanq̄
lignum quod plantatum
est secus decursus aquarum
quod fructum suum dabit
in tempore suo. Et foli
um eius non defluet et om
nia quecumq; faciet semper
prosperabuntur. Non
sic impii non sic sed tanq̄ pl
uis quem proicit ventus a
facie terre. Ideo non re
surgunt impii in iudicio ne
peccatores in consilio iustor·

Quoniam novit domi
nus viam iustorum et iter
impiorum peribit. psalm.
Quare fremuerunt ge
ntes et populi medi
tati sunt inania. Asti
terunt reges terre et princi
pes convenerunt in unum
adversus dominum et ad
versus xpm eius. Di
rumpamus vincula eorum
et proiciamus a nobis iu
gum ipsorum. Qui habitat

lis irridebit eos et dominus
ſubſanabit eos. Ego au
tem conſtitutus ſum rex ab
eo ſuper ſyon montem eius p
dicans preceptum eius. Do
minus dixit ad me filius me
us es ego hodie genui te. Po
ſtula a me et dabo tibi gentes
hereditatem tuam et poſſeſ
ſionem tuam terminos ter
re. Reges eos in virga ferre
et tanq̄ vas figuli confrin
ges eos. Et nunc reges

intelligite erudimini qui iu
dicatis terram. Servi
te domino in timore et exul
tate ei cum tremore. Ap
prehendite disciplinam ne
quando irascatur dominus
et pereatis de via iusta. Cum
exarserit in brevi ira eius be
ati omnes qui confidunt in eo.
Verba mea auribus
percipe domine in
tellige clamorem meum.
Intende voci orationis

mee rex meus et deus meus
Quoniam ad te orabo
domine mane exaudies vo
cem meam. Mane asta
bo tibi et videbo quoniam n̄
deus volens iniquitatem tu
es. Neq; habitabit iuxta
te malignus neq; pmane
bunt iniusti ante oculos tu
os. Odisti omnes qui o
perantur iniquitatem per
des omnes qui loquuntur me
dacium. Virum sangui

num et dolosum abhomi
nabitur dominus ego au
tem in multitudine mīe
tue Introibo in domū
tuam adorabo ad templū
sanctum tuum in timore
tuo Domine deduc me
in iusticia tua propter inimi
cos meos dirige in conspectu
in conspectu tuo viam me
am Quoniam non est
in ore eorum veritas cor eo:
vanum est Sepulcrum

enim patens est guttur eor
linguis suis dolose agebãt
iudica illos deus. Decidant
a cogitationib; suis secundũ
multitudinem impietatũ
eorum expelle eos quoniam
irritauerunt te domine. Et
letentur omnes qui sperant
in te in eternum exultabunt
et habitabis in eis. Et glo
riabuntur in te omnes qui
diligunt nomen tuum quoniam
tu benedices iusto. D

mine ut scuto bone volun
tatis tue coronasti nos.
Gloria patri et filio et spiri
Benedicta tu in mulieribus et benedic
tus fructus ventris tui. **capitulum**
Felix namque es sacra
virgo maria et omni
laude dignissima quia ex te
ortus est sol iustitie xpistus deus
noster. Deo gratias. **respons.**
Diffusa est gratia in labiis tuis. **vers.**
Propterea benedixit te deus in eternum.
Diffusa est gratia in labiis tuis. Glo

ria patri et filio et ſpiritui ſancto. Diffu-
ſa eſt gratia in labiis tuis. V. Specie
tua et pulcritudine tua. R. Intende
proſpere procede et regna. Domine exau-
di orationem meam. Et clamor me-
us ad te veniat. Oremus. **Oratio.**
Deus qui ſalutis eterne
beate marie virgini-
tate fecunda humano generi
premia preſtitiſti tribue que-
ſumus ut ipſam pro nobis in-
tercedere ſentiamus per quem
meruimus auctorem vite ſuſ-

na per dominum noſtrum ihe-
ſum xpm filium tuum qui
tecum vivit et regnat deus:
Per omnia ſecula ſclorum. A.
Famulorum tuorum
quesumus domine
delictis ignoſce ut qui tibi pla-
cere de actibus noſtris non va-
leamus genitricis filii tui
domini noſtri ihu xpi inter-
ceſſione ſalvemur. Per xpm
Ecclesiam tuam que-
ſumus domine beni-

gnis illustrari ut beati iohannis
apostoli tui et euuangeliste
illuminata doctrinis ad dona
perueniat sempiterna. per
dominum nostrum ihesum
xpistum filium tuum qui tecum
uiuit et regnat deus. per om-
nia secula seculorum. amen.
Benedicamus domino. Deo
gratias.

Ad terciam

suscipe. Gloria tibi domine
qui natus es de virgine cum
patre et sancto spiritu in sem
piterna secula. Amen. Ant.
Dignare me. psalmus david.
Ad dominum cum tri
bularer clamavi et
exaudivit me. Domine
libera animam meam a la
biis iniquis et a lingua dolo
sa. Sagitte potentis acu
te cum carbonibus desola
toriis. Heu michi quia i

colatus meus prolongatus
est et habitaui cum habitantibus
cedar multum incola fuit a
nima mea. Cum his
qui oderunt pacem eram pa
cificus cum loquebar illis im
pugnabant me gratis. ps. cc.
Levavi oculos meos
in montes unde ve
niet auxilium michi. Au
xilium meum a domino qui
fecit celum et terram. Non
det in commotionem pedem tu

um neq; dormitet qui custodit
te. Ecce non dormitabit
neq; dormiet qui custodit is
rael. Dominus custodit
te dominus protectio tua su
per manum dexteram tuam
Per diem sol non uret
te neq; luna per noctem. Do
minus custodit te ab oī
malo custodiat animam tuā
dominus. Dominus cu
stodiat introitum tuum et
et exitum tuum ex hoc nunc

et uſq; in ſeculum. pſalmus
Letatus ſum in his q̄
dicta ſunt michi in
domum domini ibimus. Stan
tes erant pedes noſtri in atriis
tuis iheruſalem. Iheruſa
lem que edificatur ut civitas
cuius participatio eius in id ip
ſum. Illuc enim aſcen
derunt tribus tribus domini
teſtimonium iſrael ad confi
tendum nomini dn̄i. Quia
illic ſederunt ſedes in iudicio ſe-

des super dominum dd. Ro
gate que ad pacem sunt ihe
rusalem et habundancia di
ligentibus te. Fiat pax i
n virtute tua et habundancia in
turribus tuis. Propter
fratres meos et proximos me
os loquebar pacem de te.
Propter domum domi
dei nostri quesivi bona tibi
Gloria pri et filio et spiri
Dignare me laudare te virgo sacrata
da michi virtutem contra hostes tuos

Paradisi porta per evam
cunctis clausa est et
per mariam virginem iterum
patefacta est. Deo gracias. ℟.
Specie tua et pulchritudine tua. ℣. Inten
de prospere procede et regna. Spe. tua
et pulchritudine tua. Gloria patri et
filio et spiritui sancto. Spe tua et pulc
ritudine tua. ℣. Adiuvabit eam
deus vultu suo. ℟. Deus in medio
eius non commovebitur. Domine
exaudi orationem meam. Et cla
mor meus ad te veniat. Oremus

Adsit nobis quesumus
domine uirtus spiritus
sancti que et corda nostra clemen
ter expurget et ab omnibus
semper tueatur aduersis. Per.
Deus qui de beate ma
rie uirginis utero
uerbum tuum angelo nun
tiante carnem suscipere uo
luisti presta supplicibus tu
is ut qui uere eam dei geni
tricem credimus eius apud
te intercessionibus adiuue

nitur per xp̄m dominum no.
Ecclesiam tuam q̄s
domine benignus
illustra ut beati iohannis a
postoli tui et euuangeliste
illuminata doctrinis ad do
na perveniat sempiterna.
Per xp̄m dominum nostrum.
Amen. Benedicamus dn̄o
Deo gracias.

Ad sextam.

hoste protegat. et hora mortis
suscipi. Gloria tibi dñe
qui natus es de virgine cu-
p̃re et sancto spiritu in sem
piterna secula. Amen. Añ.
Post partum. psalmus dauid
Ad te leuaui oculos
qui habitas in celis
Ecce sicut oculi seruorum
in manibus dominorum
suorum. Sicut oculi an
cille in manibus domine
sue ita oculi nostri ad dñm

deum nostrum donec mise
reatur nostri. Miserere
nostri domine miserere nostri
quia multum repleti su
mus despectione. Quia
multum repleta est anima
nostra obprobrium ha
bundantibus et despectio su
perbis. psalmus david.
Nisi quia dominus e
rat in nobis dicat
nunc israel nisi quia domi
nus erat in nobis. Cum

exurgerent homines in nos
forte vivos deglutissent nos.
Cum irasceretur furor
eorum in nos forsitan aq̃
absorbuisset nos. Tor
rentem pertransivit anima
nostra forsitan pertransisset
anima nostra aquam in
tollerabilem. Benedict⁹
dominus qui non dedit nos
in captione dentibus eorũ.
Anima nostra sicut
passer erepta est de laqueo ve

uenancium. Laqueus co̅
tritus est et nos liberati su
mus. Adiutorium nos
trum in nomine domini
qui fecit celum et terram.
Qui confidunt in do
mino sicut mons
syon non commouebitur
in eternum qui habitat in Ihe
rusalem. Montes in cir
cuitu eius et dominus i̅
circuitu populi sui ex hoc nu̅c
et usq; in seculum. G

non relinquet dominus vir
gam peccatorum super sor
tem iustorum ut non exten
dant iusti ad iniquitatē ma
nus suas. Benefac dñe
bonis et rectis corde. Decli
nantes autem in obligatio
nes adducet dominus cum
operantibus iniquitatē pax
super israel. Gloria pri. Aṇ.
Post partum virgo inviolata pmā
sisti dei genitrix intercede pro nobis.
Gaude maria virgo cunc

tas hereses sola interemisti in
universo mundo. Deo gratias
Adiuvabit eam deus vultu suo. ℟
Deus in medio eius non commovebitur.
Adiuvabit eam deus vultu suo. Glo
ria patri et spiritui sancto. Adiuvabit eam
deus vultu. ℣. Elegit eam deus et
preelegit eam. ℟ Et habitare eam fa
cit in tabernaculo suo. Domine ex
audi orationem. Et clamor meus
ad te veniat. Oremus. **Oratio.**
Mentes nostras quesumus
domine spiritus sanc

na. Gloria pr̄i et ſpūi
ſancto. Sicut erat in prin
cipio et nunc et ſemper et in
ſecula ſeculorum. amen. R̄.
Veni creator ſpiritus
mentes tuorum vi
ſita imple ſuperna gratia q
ue creaſti pectora. Memen
to ſalutis auctor quod noſt
quondam corporis ex illi
ta virgine naſcendo formam
ſumpſeris. Maria ma
ter gratie mater mīe tu nos

ab hoste protege et hora mor
tis suscipe. Gloria tibi
domine qui natus es de vir
gine cum patre et sancto spi
ritu in sempiterna secula.
Amen. Añs Sicut lilium. ps cw
In convertendo domi
nus captivitatem
syon facti sumus sic
consolati. Tunc reple
tum est gaudio os nostrum
et lingua nostra in exulta
tione. Tunc dicent inter

gentes magnificauit dñs
facere cum eis. Magni
ficauit dominus facere nobi
scum facti sumus letantes
Conuerte domine cap
tiuitatem nostram sicut tor
rens in austro. Qui se
minant in lacrimis in exul
tatione metent. Euntes
ibant et flebant mittentes
semina sua. Uenientes
autem uenient cum exulta
tione portantes manipulos

ſuos. Gloria patri et filio &c.
Niſi dominus edifica-
uerit domum in ua-
num laborauerunt qui edifi-
cant eam. Niſi dominus
cuſtodierit ciuitatem fruſtra
uigilat qui cuſtodit eam. Va-
num eſt uobis ſurgere ſurgi-
te poſtquam ſederitis qui mandu-
catis panem doloris. Cum
dederit dilectis ſuis ſompnum
ecce hereditas domini filii mer-
ces fructus uentris. Sic

ſagitte in manu potentis: i-
ta filii excuſſorum. Bea-
tus vir qui implevit deſide-
rium ſuum ex ipſis non confu-
detur cum loquetur inimicis
ſuis in porta. pſalmus xx.
Beati omnes qui timent
dominum qui am-
bulant in viis eius. La-
bores manuum tuarum quia
manducabis beatus es et be-
ne tibi erit. Uxor tua ſic-
ut vitis habundans in lateri

bus domus tue. Filij
tui sicut nouelle oliuarum
in circuitu mense tue. Ec
ce sic benedicetur homo qui ti
met dominum. Bene
dicat tibi dominus ex syon
ut uideas bona ihrlm omni
bus diebus uite tue. Et
uideas filios filiorum tuorum
pacem super israel. Glo
ria patri et filio et spiritui sancto
Sicut lilium inter spinas sic a
mica mea inter filias. capitulum

Per te dei genitrix no
bis est uita perdita
data que de celo suscepisti pro
lem et mundo genuisti sal
uatorem. Deo gratias. R
Elegit eam deus et preelegit eam.
Et habitare eam facit in tabernaculo
suo. Elegit eam deus et preelegit
eam. Gloria patri et filio et spiritui sancto
Elegit eam deus et preelegit eam V
post partum uirgo inuiolata per
mansisti. R Dei genitrix intercede pro
nobis. Domine exaudi orationem

meam. Et clamor meus ad te veni
at. Oremus. Oracio.
Mentibus noſtris qs
domine ſpiritum
ſanctum tuum benignus
infunde cuius et ſapiencia
conditi ſumus et prouiden
cia gubernemur. Per xpm.
Protege domine fa
mulos tuos ſubſi
diis pacis et beate marie ſe
per virginis patrociniis co
fidentes a cunctis hoſtibus

irſtuie. Gloria patri et filio
et ſpiritui ſancto. Sicut
erat in principio et nunc et
ſemper et in ſecula ſeculor.
Amen. añ. Letatum me dicet
Letatus ſum in his
que dicta ſunt michi
in domum domini ibimus.
Stantes erant pedes no
ſtri in atriis tuis iheru. Ie
ruſalem que edificatur ut ci
uitas cuius participacio eius
in idipſum. Illuc enim

ascenderunt tribus tribus
domini testimonium isra
el ad confitendum nomini
Quia illic sederunt sedes
in iudicio sedes super domum
david. Rogate que ad pa
cem sunt iherusalem et habun
dancia in turribus tuis. Prop
ter fratres meos et proximos
meos loquebar pacem de te.
Propter domum domi
ni nostri quesivi bona tibi.
Gloria patri et filio et spiri

Ad te leuaui oculos me
os qui habitas i celis
Ecce sicut oculi seruorum
in manibus dominorum
suorum. Sicut oculi an
cille in manibus domine
sue ita oculi nostri ad dnm
deum nostrum donec mise
reatur nostri. Miserere mi
domine miserere nostri q
multum repleti sumus de
spectione. Quia multum
repleta est anima nostra ob

probrium habundantibus et
despectio superbis. psalmus
Nisi quia dominus e
rat in nobis dicat
nunc israel: nisi quia domi
nus erat in nobis. Cum
exurgerent homines in nos
forte vivos deglutissent nos.
Cum irasceretur furor
eorum in nos forsitan aq̃
absorbuisset nos. Tor
rentem pertransivit ani
ma nostra forsitan ptran

ſiſſet anima noſtra aqua
intollerabilem. Bene
dictus dominus qui non
dedit nos in captione dentib;
eorum. Anima nr̃a ſi
cut paſſer erepta eſt de laq̃
o venancium. Laque⁹
contritus eſt et nos libera
ti ſumus. Adiutorium
noſtrum in nomine domī
qui fecit celum et terram. ps̃
Qui confidunt in dño
ſicut mons ſyon n̄

commouebitur in eternum
qui habitat in ierusalem. Mon-
tes in circuitu eius et domi-
nus in circuitu populi sui
ex hoc nunc et usque in seculum.
Quia non relinquet do-
minus virgam peccatorum
super sortem iustorum ut
non extendant iusti ad ini
quitatem manus suas.
Benefac domine bonis
et rectis corde. Declinan
tes autem in obligationes

adducet dominus cum ope
rantibus iniquitatem pax
super israel. Gloria pa.
In convertendo domi
nus captivitatem
Sion facti sumus sic
consolati. Tunc reple
tum est gaudio os nostrum
et lingua nostra in exulta
tione. Tunc dicent inter
gentes magnificavit dominus
facere cum eis. Magnifi
cavit dominus facere nob

cum facti sumus letantes
Conuerte domine cap
tiuitatem nostram sicut tor
rens in austro. Qui semi
nant in lacrimis in exulta
tione metent. Euntes
ibant et flebant mittentes
semina sua. Venientes
autem uenient cum exulta
tione portantes manipu
los suos. Gloria pri et c. a
Beatam me dicent omnes gene
rationes quia ancillam humi

lem respexit deus. capitulum

Beata es virgo maria
que dominum por-
tasti creatorem mundi ge-
nuisti qui te fecit et in eternū
permanes virgo. Deo gratias

Ave maris stella dei h
mater alma atq; sē-
per virgo felix celi porta. Su-
mens illud ave gabrielis ore
funda nos in pace mutans
nomen eve. Solve vin-
cla reis profer lumen cecis

mala nostra cuncta posce.
Monstra te esse matrē
sumat per te preces qui p̄
nobis natus tulit esse tu9
Virgo singularis inter
omnes mitis nos culpis
solutos mites fac et castos
Vitam presta puram
iter para tutum ut videntes
ih̄m semper colletemur.
Sit laus deo pr̄i summo
xpo decus spiritui sancto tri
bus honor unus. Amen.

Post partum virgo inviolata per-
mansisti. ℟. Dei genitrix interce-
de pro nobis. Aña. Sancta maria.

Magnificat anima
mea dominum.
Exultavit spiritus
meus in deo salutari meo.
Quia respexit humilita-
tem ancille sue ecce enim ex
hoc beatam me dicent omnes
generationes. Quia fecit
michi magna qui potens
est et sanctum nomen eius

Et m̄ia eius a progenie
in progenies timentibus
eum. Fecit potenciam
in brachio suo dispsit
superbos mente cordis sui
Deposuit potentes de
sede et exaltavit humiles
Esurientes implevit
bonis et divites dimisit
inanes. Suscepit isrl'
puerum suum recordat'
mīe sue. Sicut locutus
est ad p̄res nostros abra

lum et semini eius in se
cula. Gloria pri et filio
Sancta maria succurre mise
ris iuva pusillanimes refove
flebiles ora pro populo inter
veni pro clero intercede pro devo
to femineo sexu. Domine exau
di orationem meam. Et cla
mor meus ad te veniat. Oremꝰ.
Deus qui corda fideli
um sancti spiritꝰ
illustratione docuisti da no
bis in eodem spiritu recta

ſapere et de eius ſemper ſancta con-
ſolatione gaudere. Per. Oratio.
Deus qui ſalutis eter-
ne beate marie virgi-
nitate fecunda humano ge-
neri premia preſtitiſti tribue que-
ſumus ut ipſam pro nobis intercede-
re ſentiamus per quam meruimus
auctorem vite ſuſcipere domi-
num noſtrum ihesum christum fi-
lium tuum qui tecum. Oratio.
Eccleſiam tuam quesumus que-
ſumus domine etc. Ad completorium

meus. Illumina oculos
meos ne vnq̄ obdormiam
in morte nequando dicat i
nimicus meus preualui adū
sus eum. Qui tribulat
me inimici mei exultabunt
si motus fuero ego autem i
miīa tua speraui. Exul
tabit cor meum in salutari
tuo cantabo domino qui bo
na tribuit michi et psallam
nomini domini altissi
Iudica me deus et dis

cerne causam meam de gēte
non sancta ab homine ini
quo et doloso erue me. Q
tu es deus fortitudo mea quare
me repulisti et quare tristis
incedo dum affligit me ini
micus. Emitte lucē tu
am et veritatem tuam ipsa
me deduxerunt et adduxerunt
et adduxerunt et adduxerūt
in montem sanctum tuū
in tabernacula tua. Et in
troibo ad altare dei ad deum

qui letificat iuventutem me
am. Confitebor tibi in
cythara deus deus meus quare
tristis es anima mea et quare
conturbas me. Spera in
deo quoniam adhuc con
fitebor illi salutare vultus
mei et deus meus. psalmus
Sepe expugnaverunt
me a iuventute
mea dicat nunc israel. Se
pe expugnaverunt me a
iuventute mea etenim n

potuerunt michi. Supra
dorſum meum fabricaue
runt peccatores prolongaue
runt iniquitatem ſuam.
Dominus iuſtus con
cidet ceruices peccatorum co
fundantur et conuertantur
retrorſum omnes qui ode
runt ſyon. Fiant ſic
fenum tectorum quod pri
uſquam euellatur exaruit.
De quo non impleuit
manum ſuam qui metet

et ſinum ſuum qui mani
pulos colligit. Et nõ
dixerunt qui preteribant
bñdictio domini ſuper vos
benediximus vobis in no
mine domini. pſalmus
Domine non eſt ex
altatum cor me
um neqȝ elati ſunt oculi
mei. Neqȝ ambulaui
in magnis neqȝ in mira
bilibus ſuper me. Si n
humiliter ſentiebam ſed ex

astum animam meam.
Sicut ablactatus est super matre sua ita retribu=
tio in anima mea. Spe=
ret israel in domino ex hoc
nunc et usque in seculum.
Gloria patri et filio et spiritui.
Sancta dei genitrix virgo semper
maria intercede pro nobis ad do=
minum deum nostrum. hymnus
Virgo dei genitrix quem
totus non capit or=
bis in tua se clausit viscera

factus homo. Una fides:
gentium pugnauit munita
numine dei et tibi uirginitas i
nuiolata manet. Te ma
trem pietatis opem te clami
tat orbis ſubuenias famu
lis o benedicta tuis. Glori
a magna pr̄i nunc ſit tibi
gloria nate cum ſancto ſpū
gloria magna pr̄i. Amen.
Sicut cynamomum
et balſamum aro
matizans odorem dedi q̃ſi

mirra electa dedi ſuauitatē
odoris. Deo gracias. ℣ Ecce a
ncilla domini. ℟ Fiat michi ſecū
dum uerbum tuum. Añ Cū iocūd'

Nunc dimittis ſeruū
tuum domine ſecū
dum uerbum tuum in pa
ce. Quia uiderunt oculi
mei ſalutare tuum. Quod
paraſti ante faciem omni
um populorum. Lu
men ad reuelacionem gen
cium et gloriam plebis tue

israel. Gloria patri et filio
et spiritui sancto. Sicut e
rat in principio. et cetera. A.
Cum iocunditate memoriam be
ate marie celebremus ut ipsa pro no
bis intercedat ad dominum nostrum deum
nostrum. Domine exaudi oratio
nem meam. Et clamor meus ad
te veniat. Oremus. Oratio.
Ure igne sancti spiritus
renes nostros et cor
nostrum domine ut tibi ca
sto corpore serviamus et mu

do corde placeamus. P̄ xp̄m
Gratiam tuam que
sumus domine men
tibus nostris infunde ut q̄
angelo nunciante incarna
tionem cognovimus p̄ paſ
sionem eius et crucem ad re
surrectionis gloriam perdu
camur. Per xp̄m dominum
Ecclesiam tuam que
sumus domine be
nignus illustra ut beati Jo
hannis apostoli et euangeli

luſte illuminata dextinis
ad dona perueniat ſempit'
na. per xp̄m dominum no
ſtrum. Amen. Benedicam'
domino. Deo gratias

raui in gemitu meo laua
bo per singulas noctes lectū
meum lacrimis meis stra
tum meum rigabo. Tur
batus est a furore oculus me
us inueteraui inter omnes
inimicos meos. Discedi
te a me omnes qui operamī
iniquitatem quoniam ex
audiuit dominus uocē flet9
mei. Exaudiuit domi
nus deprecationem meam
dominus orationem meā

ſuſcepit. Erubeſcant et
conturbentur vehementer
omnes inimici mei conū
tur et erubeſcant valde velo
citer. Gloria patri et filio
Beati quorum remiſ
ſe ſunt iniquita
tes et quorum tecta ſūt pec
cata. Beatus vir cui nō
imputavit dominus pecca
tum nec eſt in ſpiritu eius
dolus. Quoniam tacui
inveteraverunt oſſa mea

dum clamarem tota die
Quoniam die ac nocte
gravata est super me ma
nus tua conversus sum in
erumpna mea dum confri
gitur spina. Delictum
meum cognitum tibi feci
et iniusticiam meam non
abscondi. Dixi confite
bor adversum me iniusticiam
meam domino et tu remi
sisti impietatem peccati mei.
Pro hac orabit ad te omnis

ſanctus in tempore oportuno
Verumptamen in dilu-
uio aquarum multarum
ad eum non approxima
bunt. Tu es refugium
meum a tribulacione que
circumdedit me exultacõ me
a erue me a circumdantib:
me. Intellectum tibi
dabo et instruam te in uia
hac qua gradieris firmabo
ſuper te oculos meos. No
lite fieri ſicut equus et mulus

Quibus non est intellectus
In camo et freno ma
xillas eorum constringe q̄
non approximant ad te.
Multa flagella peccato
ris sperantem autem in do
mino misericordia circumdabit:
Letamini in domino
et exultate iusti et glori
amini omnes recti corde. ps:
Domine ne in furore
tuo arguas me neque
in ira tua corripias me.

Quoniam sagitte tue
infixe sunt michi et confir
masti super me manum
tuam. Non est sanitas
in carne mea a facie ire tue
non est pax ossibus meis a
facie peccatorum meorum
Quoniam iniquitates
mee supergresse sunt caput
meum et sicut onus gra
ue grauate sunt super me.
Putruerunt et corrup
te sunt cicatrices mee a facie

insipientie mee. Miser
factus sum et curvatus sum
usque in finem tota die con
tristatus ingrediebar. Quoniam
lumbi mei impleti sunt il
lusionibus et non est sanitas
in carne mea. Afflictus
sum et humiliatus sum
nimis rugiebam a gemi
tu cordis mei. Domine
ante te omne desiderium me
um et gemitus meus a te
non est absconditus. Cor

meum conturbatum est de
liquit me virtus mea
et lumen oculorum meo
rum et ipsum non est me
cum. Amici mei et pro
ximi mei adversum me
appropinquaverunt et
steterunt. Et qui iuxta
me erant de longe steterunt
et vim faciebant qui quere
bant animam meam. Et
qui inquirebant mala mi
chi locuti sunt vanitates et

dolos tota die meditabant
Ego autem tanq̄ sur-
dus non audiebam et sicut
mutus non aperiens os su-
um. Et factus sum sic
homo non audiens et nō
habens in ore suo redargu-
tiones. Quoniam in te
domine speraui tu exaudi-
es me domine deus meus.
Quia dixi nequando
supergaudeant michi ini-
mici mei et dum commouent

antur pedes mei super me
magna locuti sunt. Quoniam
ego in flagella paratus sum
et dolor meus in conspectu
meo semper. Quoniam
iniquitatem meam anun-
ciabo et cogitabo pro pecca-
to meo. Inimici autem
mei vivunt et confirmati
sunt super me et multipli-
cati sunt qui oderunt me i-
nique. Qui retribuunt
mala pro bonis detrahebant

michi quoniam ſequebar bonitatem. Ne derelinquas me domine deus meus ne diſceſſeris a me. Inten de in adiutorium meum domine deus ſalutis mee.

Miſerere mei deus ſecundum magnā miſericordiam tuam. Et ſecundum multitudinem miſerationum tuarum dele iniquitatem meam.

Amplius laua me

ua me ab iniquitate mea
et a peccato meo munda me
Quoniam iniquitatē
meam ego cognosco et pecca
tum meum contra me est
semper. Tibi soli peccaui
et malum coram te feci ut
iustificeris in sermonib; tu
is et uincas cum iudicaris
Ecce enim in iniquitati
bus conceptus sum et in pec
catis concepit me mat̄ mea
Ecce enim ueritatem

dilexisti incerta et occulta sa
piencie tue manifestasti mi
Asperges me domine y
sopo et mundabor lauabis
me et super niuem dealbabor
Auditui meo dabis gau
dium et leticiam et exulta
bunt ossa humiliata. Au
faciem tuam a peccatis me
is et omnes iniquitates me
as dele. Cor mundum
crea in me deus et spiritum
rectum innoua in uiscer

bus meis. Ne proicias
me a facie tua et spiritum
sanctum tuum ne auferas
a me. Redde michi leti
ciam salutaris tui et spiri
tu principali confirma me
Docebo iniquos vias
tuas et impii ad te conuer
tentur. Libera me de
sanguinibus deus deus sa
lutis mee et exultabit lin
gua mea iusticiam tuam
Domine labia mea a

peries: et os meum annun
ciabit laudem tuā Quoniā
si uoluisses sacrificium de
dissem utiq; holocaustis nō
delectaberis Sacrificiū
deo spiritus contribulatus
cor contritum et humili
atum deus non despicies
Benigne fac domine
in bonā uoluntate tua sy
on ut edificentur muri
iherusalem Tunc ac
ceptabis sacrificium ius

ticie oblaciones et holocausta
tunc imponent super alta
re tuum vitulos. psalmus
Domine exaudi ora
cionem meam et
clamor meus ad te veniat.
Non avertas faciē tuā
a me in quacumq; die tribu
lor inclina ad me aurem
tuam. In quacumq;
die invocavero te velociter
exaudi me. Quia defe
cerunt sicut fumus dies mī

et oſſa mea ſicut cremium
aruerunt. Percuſſus
ſum ut fenum et aruit cor
meum quia oblitus ſum
comedere panem meum:
A voce gemitus mei ad
heſit os meum carni mee:
Similis factus ſu[m] pelli
cano ſolitudinis et factus
ſum ſicut nicticorax in domi
cilio. Vigilaui et factus
ſum ſicut paſſer ſolitarius
in tecto. Tota die exp[ro]bra

bant michi inimici mei et
qui laudabant me adversus
me iurabant. Quia cine
rem tamquam panem mandu
cabam et potum meum
cum fletu miscebam. A fa
cie ire indignationis tue quia
elevans allisisti me. Dies
mei sicut umbra declinave
runt et ego sicut fenum arui.
Tu autem domine in
eternum permanes et memo
riale tuum in generatione

et generationem Tu ex
urgens domine misereberis
ſyon quia tempus miseren
di eius quia uenit tempus
Quoniam placuerunt
ſeruis tuis lapides eius et ter
re eius miserebuntur Et
timebunt gentes nomen tu
um domine et omnes reges
terre gloriam tuam Q
uia edificauit dominus ſyon et ui
debitur in gloria sua R
eſpexit in orationem humilium

umium et non ſpreuit precē eor
Scribantur hec in gene
ratione altera et populus q
creabitur laudabit dominum
Quia proſpexit de excelſo
ſancto ſuo dominus de celo
in terram aſpexit Ut au
diret gemitus compeditor
ut ſolueret filios interemptor
Ut annuncient in ſyo
nomen domini et laudem eius.
in ieruſalem In
conueniendo populos in unū

et reges ut serviant domino
Respondit ei in via vir
tutis sue paucitatem dierum
meorum nuncia michi:
Ne revoces me in dimi
dio dierum meorum in ge
neratione et generationem
anni tui. Initio tu do
mine terram fundasti et opera
manuum tuarum sunt celi
Ipsi peribunt tu autem
permanes et omnes sicut
vestimentum veterascent.

Et sicut opertorium mu-
tabis eos et mutabuntur tu
autem idem ipse es et anni
tui non deficient. Filii
servorum tuorum habitabunt
et semen eorum in seculum
dirigetur. Gloria patri et c.
De profundis clama-
vi ad te domine: do-
mine exaudi vocem meam.
Fiant aures tue inten-
dentes in vocem deprecationis
mee. Si iniquitates ob

seruaueris domine: domine
quis sustinebit. Quia
apud te propiciacio est: et propter
legem tuam sustinui te do-
mine. Sustinuit ani-
ma mea in verbo eius: sperauit
anima mea in domino.
A custodia matutina
usque ad noctem: speret israel
in domino. Quia apud
dominum misericordia: et copiosa
apud eum redempcio. Et
ipse redimet israel ex omni-

ibus iniquitatibus eius
Gloria patri et filio et
Domine exaudi o
racionem meam:
auribus percipe obsecratio
nem meam in veritate
tua exaudi me in tua iu
sticia. Et non intres in
iudicium cum servo tuo
quia non iustificabitur
in conspectu tuo omnis
vivens. Quia persequtus
est inimicus animam me

am humiliavit in terra
vitam meam. Collo
cavit me in obscuris sicut
mortuos seculi et anxiatus
est super me spiritus meus
in me turbatum est cor me
um. Memor fui dierum
antiquorum meditatus
sum in omnibus operibus
tuis et in factis manuum
tuarum meditabar. Ex
pandi manus meas
ad te anima mea sicut ter

ra sine aqua tibi. Velociter
exaudi me domine quia defecit
spiritus meus. Non a
uertas faciem tuam a me
et similis ero descendentibus
in lacum. Auditam fac
michi mane misericordiam tuam
quia in te speraui. No
tam fac michi uiam in qua
ambulem quia ad te leua
ui animam meam. Eri
pe me de inimicis meis do
mine ad te confugi doce me

facere voluntatem tuam
quia deus meus es tu.
Spiritus tuus bonus
deducet me in terram rec-
tam propter nomen tuū
domine vivificabis me in
equitate tua. Educes de
tribulacione animā meā
et in mīa tua disperdes oēs
inimicos meos. Et perdes
omnes qui tribulant ani-
mam meam quoniā ego
servus tuus sum. Gloria

Ne reminiscaris domine delicta nostra
vel parentum nostrorum neque
vindictam sumas de peccatis
nostris. Parce domine parce po
pulo tuo quem redemisti xpe san
guine tuo ne in eternum irasca
ris nobis. Adiuva nos deus salu
taris noster. Et propter gloriam
nominis tui domine libera nos
et propicius esto peccatis nostris
propter nomen tuum.
Kyrieleyson. Xpe
eleyson. Kyriel'

Xpe audi nos. Pat
er de celis deus: miserere no
bis. Fili redemptor
mundi deus: miserere no
bis. Spiritus sancte de9
miserere nobis. Sanc
ta trinitas unus deus. mi.
Sancta maria or
Sancta dei genitrix or
Sancta virgo virginum or
Sancte michael or
Sancte gabriel or
Sancte raphael or

Omnes sancti angeli dei
orate pro nobis
Omnes sancti beator
spirituum ordines. or
Sancte iohannes bapt.
Omnes sancti patriarche
et prophete dei: orate p nob
Sancte petre or
Sancte paule or
Sancte andrea or
Sancte iacobe or
Sancte iohannes or
Sancte thoma or

Sancte mathee. or

Sancte philippe. or

Sancte barthomee. or

Sancte barnaba. or

Sancte ſymon. or

Sancte iuda. or

Sancte marce. or

Omnes ſancti apoſtoli dei: orate pro nobis.

Omnes ſancti diſcipuli domini: orate pro nob:

Omnes ſci innocētes. or

Sancte ſtephane. or

Sancte line or
Sancte clete or
Sancte clemens or
Sancte corneli or
Sancte dyonisi cum
sociis tuis or
Sancte maurici cu s. t. or
Sancte laurenti or
Sancte vincenti or
Sancte cipriane or
Sancte fabiane or
Sancte sebastiane or
Sancte valentine. or

Sancte xpofore. or
Sancte ſaturnine. or
Omnes ſci martires or
Sancte ſiluester. or
Sancte hylari. or
Sancte remigi. or
Sancte ambroſi. or
Sancte augustine. or
Sancte ieronime. or
Sancte germane. or
Sancte nicholae. or
Sancte guilleime. or
Sancte yuo. or

Omnes sci et electi dei. or
Sancta maria mag
dalena. or
Scta maria egypciaca
Sancta felicitas. or
Sancta perpetua. or
Sancta petronilla. or
Sancta agatha. or
Scta scolastica. or
Sancta genouefa. or
Sancta columba. or
Sancta eufemia. or
Sancta cecilia. or

Sancta lucia. or

Sancta fides. or

Sancta spes. or

Sancta karitas. or

Omnis scē virgines dei. or

Omnes scī et scē dei. or

Propicius esto: parce nobis domine.

Ab omni malo. libera nos domine.

Ab insidiis dyaboli. l.

A dampnatione perpetua. l.

Ab infestinacionib:

demonum. l.
A spiritu fornicationis. l.
Ab omni immundi
cia mentis et corporis. l.
Ab immundis cogita
tionibus. l.
A cecitate cordis.
A fulgure et tempestate. l.
A subitanea et impro
visa morte: libera nos domine
Per misterium sancte
incarnationis tue. l.
Per passionem et crucem

tuam. libera nos domine.
Per gloriosam resurrectionem tuam: libera nos do.
Per admirabilem ascensionem tuam l.
Per gratiam sancti spiritus paracliti. libera nos do
In hora mortis succurre nobis domine
In die iudicii l.
Peccatores: te rogamus audi nos:
Ut pacem nobis dones

te rogamus audi nos
Ut ecclesiam tuam re
gere et deffensare digneris
te rogamus audi nos
Ut regibus et principi
bus pacem et veram con
cordiam donare digneris. te
Ut cunctum populum
xpianum precioso sangui
ne tuo redemptum conserua
re digneris. te rogam' audi n.
Ut omnib; benefactorib;
nostris sempiterna bona re

nibus: te rogamus audi
nos. Ut animas nos-
tras et parentum nostrorum
ab eterna dampnatione e-
ripias: te rogamus audi nos.
Ut fructus terre dare et
conservare digneris. te r.
Ut omnibus fidelibus
vivis et defunctis requiem
eternam donare digneris: te r.
Ut nos exaudire dig. te r.
Fili dei .iii. fois. te r.
Agnus dei qui tollis pec

cata mundi exaudi nos dñe:
Agnus dei qui tollis pec
cata mundi parce nob dñe.
Agnus dei qui tollis pec
cata mundi: miſerere nob
Kyrieleyſon. Xpel
Kyrieleyſon. Pr nr
Et ne nos. Domine
exaudi orationem meam
Et clamor meus ad te
ueniat. Oremus.
Deus cui proprium eſt
miſereri ſemper et par

cere ſuſcipe deprecationē no
ſtram ut quos delictorum
catena conſtringit miſe
ratio tue pietatis abſolvat
per xpm̄ dominum nr̄m. Am̄
Fidelium deus omni
um conditor et redēp
tor animabus famulorū
famularumque tuarum re
miſſionem cunctorum tri
bue peccatorum ut indulgē
ciam quam ſemper optave
runt piis ſupplicationibus

cuſtodiamur. Qui viuis
et regnas deus per xpm do
minum noſtrum: amē.
Benedicamus domino. Deo
gratias

Domine ihū xpē fili dei vi
ui pone passionē crucē et c.
Deus in adiutorium. c.
Crucifige clamitant
hora tertiarum: Illu
sus induitur veste purpu
rum: caput eius pungitur
corona spinarum: crucem
portat humeris ad locum pe
narum: Añ. Adoramus te xpē et
benedicimus tibi quia per sanctam
crucem tuam redemisti mundum
[illegible] Oratio.

Domine ihū xp̄e fili dei.
Deus in adiutorium:
Hora ſexta ihūs ē cru
ci conclauatus: et
eſt cum latronibus pendens
deputatus: p̄ tormentis ſi
ciens felle ſaturatus: agnus
crimen diluit ſic ludificatus
Adoramus te xp̄e et bn̄dicimus t'
quia per ſanctam crucem tuam re
demiſti mundum. Oremus: orō
Domine ihū xp̄e fili dei vi
Deus in adiutorium me

Hora nona dominus
ihesus expiravit: he
ly clamans animam patri com
mendavit: latus eius lance
a miles perforavit: terra tunc
contremuit et sol obscuravit
Adoramus te christe et benedicimus
tibi quia per sanctam crucem tuam
redemisti mundum. Oremus. oratio
Domine ihesu christe fili dei:
Deus in adiutorium meum
De cruce deponitur ho
ra vespertina: forti

tudo latuit in mente diuina
talem mortem subiit uite
medicina: heu corona glie
iacuit supina. Añ. Adoramus
te xpe et benedicimus tibi quia per sanctam
crucem tuam redemisti mundum. Oremus.
Domine ihu xpe fili dei.
Conuerte nos deus sa
lutaris noster. Et
auerte iram tuam a nobis.
Deus in adiutorium me:
Hora completorii dat
sepulture: corpus xpi

nobile ſp̄s vite future: con
ditur aromate complectē
ſceptrum: iugis ſit memori
a mors hec michi amen. Recōm
Has horas canonicas
cum deuocione: xp̄e ti
bi recolo pia racione: vt qui
pro me paſſus es amoris ar
dore: ſis michi ſolacium in mor
tis agone: Amen. A̅. Adoramus
te xp̄e & b̄ndicimus tibi quia p̄ ſc̄am cruc
em redemiſti mundum. Or. ...
Domine ihū xp̄e fili dei vi



Domine labia
mea aperies:
Et os me
um annunciabit laude
tuam. Deus in adiu

torium meum intende. Do-
mine ad adiuvandum
me festina. Gloria pri
et filio et spiritui sco. Si-
cut erat in principio et nunc
et semper et in secula seculo-
rum amen. An. Veni sancte
spiritus reple tuorum corda fide-
lium et tui amoris in eis ignē
accende. Hympnus.
Nobis sancti spiritus
gratia sit data de q̃
virgo virginum fuit ob-

nun beata: cum per ſanctum
angelum fuit ſalutata: u-
bum caro factum eſt in virgo
fecundata ℣. Emitte ſpiritum tuum
et creabuntur. ℟. Et renouabis
faciem terre. Oremus. Oracio:
Omnipotens ſempiter-
ne deus da nobis illam
ſancti ſpiritus graciam que
diſcipulis tuis in die ſanc-
to penthecoſtes tribuiſti
per chriſtum dominum noſtrum. Amen.
Deus in adiutorium:

Ueni ſancte ſpiritus reple tuorum
corda fidelium et tui amoris in eis
ignem accende. hẏmpnus.
Dei unigenite filius xp̄s
incarnatus: crucifixus
mortuus atque tumulatus
reſurgens diſcipulis fuit de
monſtratus: et ipſis cernenti
bus celis elevatus: ℣. Emitte
ſpiritum tuum et creabuntur. ℟.
Et renovabis faciem terre. Oremus.
Omnipotens ſempiterne
Deus in adiutorium

Ueni sancte spiritus reple tuorū
corda fidelium et tui amoris in
eis ignem accende. hympnus
Spiritum sanctum spi
ritum deus delega
uit in die sancto penthecco
stes ipīs confirmauit: et de
linguis igneis ipīs inflam
mauit: relinquere orpha
nos ipīs denegauit. ℣. Emit
te spiritum tuum et creabuntur
Et renouabis faciē terre. Oremus
Omnipotens sēp. ut s̄

Deus in adiutorium:
Veni ſancte ſpiritus reple tuorū
corda fidelium et tui amoris in eis
ignem aſcende. hymnꝰ
Septiformam gra
ciam tunc acceptauerunt:
quare ydiomata cuncta co
gnouerunt: ad diuerſa cli
mata mundi receſſerunt:
et fidem catholicam tunc p̄
dicauerunt: ℣. Emitte ſpi
ritum tuum et creabuntur. ℟. Et
renouabis faciem terre. Oremus

Omnipotens ſempiterne
Deus in adiutorium:
Veni ſancte ſpiritus reple tuorum corda fide-
lium: et tui amoris in eis ignem accende.
Spiritus paraclitus
fuit appellatus. do-
num dei caritas fons vivi-
ficatus: ſpiritalis unctio
ignis inflammatus: ſep-
tiformis gratiam kariſma
nontus: ℣. Emitte ſpiritum
tuum et creabuntur: ℟. Et reno-
vabis faciem terre. Oremus. Oro

Omnipotens sempiter
Deus in adiutorium
Veni sc̃e sp̃s reple tuorum corda fide
lium et tui amoris ignem accende.
Dextera dei digitus uir
tus spiritalis: nos
deffendat eruat ab omni
bus malis: ut nobis no
ceat demon infernalis
protegat et muniat fove
at sub alis. V. Emitte spiritum
tuum et creabuntur. R. Et reno
vabis faciem terre. Oremus. Oratio

Omnipotens ſempi-
terne deus da nobis
illam ſancti ſpiritus gra-
ciam quam diſcipulis tu-
is in die ſancto penthecoſtes
tranſmiſiſti. Per xp̄m dn̄m
Converte nos deus ſa-
lutaris noſter. Et
averte iram tuam a nobis.
Deus in adiutorium
Veni ſancte ſpiritus reple tuorum
corda fidelium et tui amoris in eis
ignem accende. hympnus:

Spiritus paraclitus
nos uelit uiſitare: ſē
ſus noſtros regere et illumi
nare: ut cum deus uenerit
omnes iudicare: nos uelit
ad dexteram ſuam appellare.
Has horas canonicas
cum deuocione: tibi
ſancte ſpiritus pia racione:
dixi ut nos uiſites in ſpiracio
ne: ut uiuamus iugiter celi
regione. Amen. ℣. Emitte ſpi
ritum tuum et creabuntur. ℟. Et

[illegible]

Omnipotens sempiterne deus da nobis illam sancti spiritus gratiam q̄ discipulis tuis in die sancto penthecostes tribuisti: per xp̄ dominum nostrum: Amen

Benedicamus domino

Deo gratias

uit me. Conuertere a
nima mea in requiem tuã
quia dominus benefecit t
Quia eripuit anima
meam de morte oculos meos
a lacrimis pedes meos a lap
su. Placebo domino in re
gione viuorum. Requi
em eternam dona eis domi
ne: et lux perpetua luceat eis
Placebo domino in regione viuo
rum. ant. Heu mihi. psalmus
Ad dominum cum tri

bularer clamavi et exaudi
vit me. Domine libera
animam meam a labiis i
niquis et a lingua dolosa. Quid
detur tibi aut apponatur ti
bi ad linguam dolosam. Sa
gitte potentis acute cum car
bonibus desolatoriis.
Heu michi quia incola
tus meus prolongatus est
habitavi cum habitantibus cedar
multum incola fuit anima
mea. Cum hiis qui oderunt

pacem eram pacificus: cum lo
quebar illis impugnabant
me gratis. Requiem. et c.
Heu me quia incolatus meus pro
longatus est. Ant. Dominus custo
Levavi oculos meos
in montes unde ve
niet auxilium michi. Au
xilium meum a domino qui
fecit celum et terram. Non
det in commotionem pedem
tuum: neque dormitet qui custo
dit te. Ecce non dormitabit

bit neque dormiet qui custo
dit israel. Dominus cu
stodit te dominus protectio
tua super manum dexteram
tuam. Per diem sol non
uret te neque luna per noctem.
Dominus custodit te
ab omni malo custodiat a
nimam tuam dominus. Do
minus custodiat introi
tum tuum et exitum tuum ex hoc
nunc et usque in seculum. Re
quiem eternam dona eis do

Dominus custodit te ab omni ma
lo custodiat animam tuam domi
nus. ant. Si iniquitates: psalm'
De profundis clama
ui ad te domine: do
mine exaudi uocem meam
Fiant aures tue intendē
tes in uocem deprecatiōis mee
Si iniquitates obserua
ueris domine: domine quis
sustinebit. Quia apud
te propiciatio est: et propter
legem tuam sustinui te dn̄e

Sustinuit anima mea
in verbo eius speravit anima
mea in domino. A custo
dia matutina usq; ad noctē
speret israel in domino. Quia
apud dominum misericordia et copi
osa apud eum redemptio.
Et ipse redimet israel ex
omnibus iniquitatibus eius
Requiem eternam donā
Si iniquitates observaveris domine
domine quis sustinebit. antiphona
Opera manuum. psalmus david

Confitebor tibi domi
ne quoniam audi
sti omnia verba oris tui.
In conspectu angelorum
psallam tibi deus adorabo
ad templum sanctum tuum
et confitebor nomini tuo. Super
misericordia tua et veritate tua quia
magnificasti super omne no
men sanctum tuum. In
quacumque die invocavero te
exaudi me multiplicabis in
anima mea virtutem. Con

fiteantur tibi domine omnes
reges terre quia audierunt
omnia uerba oris tui. Et
cantent in uiis domini quo
niam magna est gloria do
mini. Quoniam excel
sus dominus et humilia
respicit et alta a longe cogno
scit. Si ambulauero in
medio tribulationis uiui
ficabis me et super iram ini
micorum extendisti manum
tuam et saluum me fecit

dexteram tua. Dominus
retribuet pro me domine mi
sericordia tua in seculum
opera manuum tuarum
ne despicias. Requiem
Opera manuum tuarum domine
ne despicias: an̄ Cum lazarum:
Magnificat anima
mea dominum. Et
exultauit spiritus meus i
n deo salutari meo. Quia
respexit humilitatem an
cille sue ecce enim ex hoc bea

tam me dicent omnes gene
rationes. Quia fecit michi
magna qui potens est et sanc
tum nomen eius. Et misericordia eius
a progenie in progenies time
ntibus eum. Fecit poten
tiam in brachio suo dispersit
superbos mente cordis sui.
Deposuit potentes de se
de et exaltavit humiles.
Esurientes implevit
bonis et divites dimisit in
anes. Suscepit israel pu

erum ſuum recordatus mi
ſericordie ſue. Sicut locu
tus eſt ad patres noſtros a
braham et ſemini eius in ſe
cula. Requiem eternam.
Qui lazarum reſuſcitaſti a mo
numento fetidum tu eis domine
dona requiem et locum indulge
ne. Pater noſter. Et ne nos. In me
moria eterna erunt iuſti. Ab au
ditione mala non timebunt. ℣.
A porta inferi. ℟. Erue domine
animas eorum. ℣. Domine exaudi

bona domini. ℟. In terra uiuencium

Lauda anima mea
dominum lauda
bo deum meum in uita mea
pſallam deo meo quamdiu
fuero. Nolite confidere i
principibus nec in filijs ho
minum in quibus non eſt
ſalus. Exibit ſpiritus eius
et reuertetur in terram ſuam i
illa die peribunt omnes co
gitaciones eorum. Bea
tus cuius dominus deus ia

cob adiutor eius spes eius in
domino deo ipsius qui fecit ce
lum et terram mare et omnia
que in eis sunt. Qui cus
todit ueritatem in seculum
facit iudicium iniuriam pa
cientibus dat escam esurien
tibus. Dominus soluit
compeditos dominus illumi
nat cecos. Dominus eri
git elisos dominus diligit iu
stos. Dominus custodit
aduenas pupillum et uidu

am suſcipiet et vias peccato
rum diſperdet. Regnab'
dominus in ſecula deus tu'
ſyon in generatione et gene.
rationem. Requiem eternã
Requieſcant in pace. Aña.
Domine exaudi oratio
nem meam. Et clamor
meus ad te veniat. Oremus.
Inclina domine aurẽ
tuam ad preces nr̃as
quibus miam̃ tuam ſuppli
ces deprecamur ut animã

famuli tui N. q̄ de hoc seculo
migrare iussisti in pacis ac
lucis regione constituas &
sanctorum tuorum iubeas
esse consortem. Per xp̄m.
Deus qui nos p̄rem
& matrem honora
re precepisti miserere clemē
ter animabus pr̄is & matris
mee eorumque peccata dimit
te meque eos in eterne cla
ritatis gaudio fac videre. P
xp̄m dominum nr̄m. Amen

Deus venie largitor
et humane ſalutis
amator queſumus clemen
tiam tuam ut noſtre congre
gationis fratres ſorores pa
rentes amicos et benefactores
noſtros qui ex hoc ſeculo tranſ
ierunt beata maria ſemper
virgine intercedente cum
omnibus ſanctis tuis ad
perpetue beatitudinis conſor
tium pervenire concedas.
Per chriſtum dominum no

Fidelium deus om
nium conditor ⁊
redemptor animabus fa
mulorum famularum
que tuarum remissionem
cunctorum tribue pecca
torum ut indulgentiam
quam semper optaverunt
piis supplicationibus con
sequantur. Qui vivis et
regnas deus: per christum dominum
nostrum. Amen. In primo
nocturno. an. Dirige. psalmus

Uerba mea auribus
percipe domine in
tellige clamorem meum. In
tende uoci oracionis mee rex
meus et deus meus. Quoniam
ad te orabo domine mane ex
audies uocem meam. Ma
ne astabo tibi et uidebo quo
niam non deus uolens ini
quitatem tu es. Neque ha
bitabit iuxta te malignus
neque permanebunt iniusti
ante oculos tuos. Odisti

omnes qui operantur in
quitatem perdes omnes qui
loquuntur mendacium. V
irum sanguinum et dolosu
abhominabitur dominus
ego autem in multitudine
misericordie tue. Introibo in do
mum tuam adorabo ad te
plum sanctum tuum in timo
re tuo. Domine deduc m
me in iusticia tua propter ini
micos meos dirige in conspec
tuo viam meam. Quo

niam non est in ore eorum
ueritas cor eorum uanum
est. Sepulcrum patens
est guttur eorum linguis su
is dolose agebant iudica il
los deus. Decidant a cogi
tacionibus suis secundum
multitudinem impietatum
eorum expelle eos quoniam
irritauerunt te domine.
Et letentur omnes qui
sperant in te in eternum exul
tabunt et habitabunt in eis

Et gloriabuntur in te
omnes qui diligunt nomen
tuum quoniam tu benedi
ces iusto. Domine ut
ſcuto bone voluntatis tue
coronaſti nos. Requiem
Dirige domine deus meus in con
ſpectu tuo viam meam. An. Converte
Domine ne in furore
tuo arguas me neque
in ira tua corripias me. Mi
ſerere mei domine quoniam
infirmus ſum ſana me do

mine quoniam conturba
ta sunt omnia ossa mea.
Et anima mea turbata
est ualde sed tu domine usq:
quo Conuertere domi
ne et eripe animam meam;
saluum me fac propter mi
sericordiam tuam Quo
niam non est in morte qui
memor sit tui in inferno au
tem quis confitebitur t. La
boraui in gemitu meo laua
bo per singulas noctes lectum

meum lacrimis meis stra-
tum meum rigabo. Tur-
batus est a furore oculus meꝰ
inveteravi inter omnes iñ-
micos meos. Discedite a
me omnes qui operamini iñ-
quitatem quoniam exau-
divit dominus vocem fletus
mei. Exaudivit domiñ
deprecationem meam dñs
orationem meam suscepit.
Erubescant et conturbē-
tur vehementer omnes in-

mici mei conuertantur et eru
beſcant ualde velociter. Re-
quiem eternam dona eis do
Conuertere domine et eripe animã
meam quoniam non eſt in mor
te qui memor ſit tui. Añ. Nequãdo
Domine deus meus
in te ſperaui ſaluũ
me fac ex omnibus pſequẽ
tibus me et libera me. Do
Nequando rapiat ut leo
animam meam dum non
eſt qui redimat neq; qui ſal

uum faciat. Domine deus
meus si feci istud si est iniqui
tas in manibus meis. Si
reddidi retribuentibus michi
mala decidam merito ab in
imicis meis inanis. Per
sequatur inimicus animam
meam et comprehendat et con
culcet in terra vitam meam
et gloriam meam in pul
uerem deducat. Exurge
domine in ira tua et exalta
re in finibus inimicorum

meorum. Exurge domi
ne deus in precepto quod man
dasti et synagoga populorum
circumdabit te. Et propter
hanc in altum regredere domi
nus iudicat populos. Iu
dica me domine secundum
iustitiam meam et secundum
innocentiam meam super
me. Consumetur nequi
tia peccatorum et diriges iu
stum scrutans corda et renes
deus. Iustum adiutorium

meum a domino qui ſaluos
facit rectos corde. Deus
iudex iuſtus fortis et paciens
numquid iraſcitur per ſingu
los dies. Niſi conuerſi fue
ritis gladium ſuum uibrabit
arcum ſuum tetendit et para
uit illum. Et in eo parauit
uaſa mortis ſagittas ſuas.
ardentibus effecit. Ecce par
turiit iniuſticiam concepit do
lorem et peperit iniquitatem
Lacum aperuit et effodit

eum et incidit in foveam
quam fecit. Conuer
tetur dolor eius in capite
eius et in verticem ipsius
iniquitas eius descendet.
Confitebor domino se
cundum iusticiam eius et
psallam nomini domini
altissimi. Requiem eter
nam dona eis domine et l. a.
Nequando rapiat ut leo anima
meam dum non est qui re
dimat neque qui salvum faciat. v.

A porta inferi. ℣ Erue domine a-
nimas eorum. Pater noster. Et ne

Parce michi domi- l.
ne nichil enim i.
sunt dies mei. Quid est ho-
mo quia magnificas eum
aut quid apponis erga eũ
cor tuum. Visitas eum dilu-
culo et subito probas illum.
Usq; quo non parcis michi
nec dimittis me ut glutiã
salivam meam. Peccavi. Quid
faciam tibi o custos hominũ

Quare posuisti me contra
rium tibi et factus sum mi
met ipsi gravis. Cur non tol
lis peccatum meum et qua
re non aufers iniquitatem
meam. Ecce nunc in pul
vere dormio et si mane me
quesieris non subsistam. R.
Qui lazarum resuscitasti a monu
mento fetidum. tu eis domine do
na requiem et locum indulgentie
Qui venturus es iudicare vivos et
mortuos et seculum per ignem. Tu

eis domine dona requiem et locum
indulgentie. Lectio secunda
Tedet animam meam
vite mee: dimittam adver
sum me eloquium meum:
loquar in amaritudine anime
mee: dicam deo. Noli me con
dempnare. Indica michi cur
me ita iudices: Numquid bo
num tibi videtur si calump
nieris et opprimas me opus
manuum tuarum et consi
lium impiorum adiuves:

Numquid oculi carnei tibi ſunt
aut ſicut videt homo et tu vi
debis. Numquid ſicut dies ho
minis dies tui et anni tui ſi
cut humana ſunt tempora
ut queras iniquitatem me
am et peccatum meum ſcru
teris: et ſcias quia nichil im
pium fecerim cum ſit nemo
qui de manu tua poſſit eruere
Credo quod redemptor meus vivit
et in noviſſimo die de terra ſurrec
turus ſum. et in carne mea videbo

deum ſaluatorem meum. Verſus
Quem viſurus ſum ego ipſe et nõ
alius et oculi mei conſpecturi ſunt
Et in carne mea videbo deum ſalua
torem meum. Lectio tercia.
Manus tue domine fe
cerunt me et plaſma
uerunt me totum in circuitu
et ſic repente precipitas me.
Memento queſo quod ſicut
lutum feceris me: et in pului
rem reduces me. Nonne ſi͂
lac mulſiſti me et ſicut caſeũ

me coagulaſti: pelle et carni
bus ueſtiſti me. oſſibus et ner
uis compegiſti me. uitam
et miſericordiam tribuiſti michi et
uiſitacio tua cuſtodiuit ſpi
ritum meum. R. Heu michi
domine quia peccaui nimis in uita
mea quid faciam miſer ubi fugiam
niſi ad te deus meus miſerere mei
dum ueneris in nouiſſimo die. V.
Anima mea turbata eſt ualde ſed
tu domine ſuccurre ei. Dum uenis
in nouiſſimo die. In ſecundo noc-

nimo. antiphona: In loco paſc
Dominus regit me et
nichil michi deerit
in loco paſcue ibi me colloca
uit. Super aquam refec
tionis educauit me animam
meam conuertit. Dedu
xit me ſuper ſemitas iuſticie
propter nomen ſuum. Nam
et ſi ambulauero in medio
umbre mortis non timebo
mala quoniam tu mecum
es. Uirga tua et baculus

tuus ipa me consolata sunt
Parasti in conspectu
meo mensam adversus e
os qui tribulant me. Im
pinguasti in oleo caput me
um et calix meus inebrians
q̄ preclarus est. Et miā
tua subsequetur me omni
bus diebus vite mee. Et
ut inhitem in domo domini
in longitudinem dierum.
Requiem eternam do. a
In loco pascue ibi me collocavit. añ

delicta iuuentutis. psalmus dd'
Ad te domine leuaui
animam meam
deus meus in te confido nõ
erubescam. Neque irrideãt
me inimici mei etenim
uniuersi qui sustinent te n̄
confundentur. Confun
dantur omnes iniqua a
gentes superuacue. Ui
as tuas domine demonstr̄
michi et semitas tuas edoce
me. Dirige me in ueri

tate tua et doce me quia tu es
deus ſaluator meus et te ſuſ
tinui tota die. Reminiſ
cere miſeracionum tuarū
domine et miſericordiarum tuarū
que a ſeculo ſunt. Delic
ta iuuentutis mee et igno
rancias meas ne memine
ris. Secundum miſericordiam
tuam memento mei tu ꝓ
bonitatem tuam domine
Dulcis et rectus dominus
propter hoc legem dabit deli

quentibus in uia. Di
get mansuetos dominus
in iudicio docebit mites ui
as suas. Universe uie
domini miā et ueritas re
quirentibus testamentū
eius et testimonia eius.
Propter nomen tuum
domine propiciaberis pec
cato meo multum est enim.
Quis est homo q̇ timet
dominum legem statuit
ei in uia quā elegit. Ania

eius in bonis demorabitur
et semen eius hereditabit
terram. Firmamentũ
est dominus timentibus eũ
et testamentum ipsius ut
manifestetur illis. Oculi
mei semper ad dominum quia
ipẽ euellet de laqueo pedes me
os. Respice in me et mise
re mei quia unicus et paup sũ
ego. Tribulationes cordis
mei multiplicate sunt de nec
cessitatibus meis eripe me.

Vide humilitatē meā
et laborem meum et dimitte
vniuerſa delicta mea. Reſ
pice inimicos meos quoniā
multiplicati ſunt et odio ī
quo oderunt me. Cuſto
di animam meam et erue
me non erubeſcam quoniā
ſperaui in te. Innocentes
et recti adheſerunt michi q:
ſuſtinui te. Libera deus
iſrael ex omnibus tribulatio
nibus ſuis. Requiē etnā

Delicta iuuentutis mee et ignoranti-
as meas ne memineris domine. Antiphona Credo

Dominus illuminatio
mea et salus mea quem
timebo. Dominus protec-
tor vite mee a quo trepidabo.
Dum appropiant super
me nocentes ut edant carnes
meas. Qui tribulant me
inimici mei ipsi infirmati sunt
et ceciderunt. Si consistant
aduersum me castra non ti-
mebit cor meum. Si exer

surgat adversum me prelium in
hoc ego sperabo. Unam petii
a domino hanc requiram ut in
habitem in domo domini om
nibus diebus vite mee. Ut
videam voluntatem domini
et visitem templum eius.
Quoniam abscondit me
in tabernaculo suo in die ma
lorum protexit me in abscon
dito tabernaculi sui. In
petra exaltavit me et nunc ex
altavit caput meum super ini

inimicos meos. Circuiui et im
molaui in tabernaculo eius
hoſtiam uociferationis cãta
bo et pſalmum dicam domĩo
Exaudi domine uocẽ me
am qua clamaui ad te miſe
rere mei et exaudi me. Ti
bi dixit cor meum exquiſiuit te
te facies mea faciem tuam do
mine requiram. Ne auertas
faciem tuam a me ne declines
in ira a ſeruo tuo. Adiuto
meus eſto domine ne derelin

quas me neq; despicias me
deus salutaris meus. Quoniam
pater meus et mater mea de
linquerunt me dominus au
tem assumpsit me. Le
gem pone michi domine in
via tua et dirige me in semi
ta recta propter inimicos me
os. Ne tradideris me in a
nimas tribulantium me
quoniam insurrexerunt in
me testes iniqui et mentita
est iniquitas sibi. Credo

uidere bona domini in terra ui
uentium. Expecta domi
num uiriliter age cor tuum.
et sustine dominum. R. Re.
quiem eternam dona eis do.
Credo uidere bona domini in terra ui
uentium. V. In memoria eterna erit
iustus. R. Ab auditione mala no time
bunt. lectio quarta.
Quantas habeo iniqui
tates et peccata scelera mea at
q; delicta ostende michi. Cur fa
ciem tuam abscondis et arbi

traris me inimicum tuum.
contra folium quod uento
rapitur oſtendis potentiam
tuam et ſtipulam ſiccam p̄
ſequeris. Scribis enim cōtra
me amaritudines: et conſu
mere me uis peccatis adoleſcē
tie mee. Poſuiſti in neruo pedē
meum. et obſeruaſti omnes
ſemitas meas et ueſtigia pedū
meorum conſideraſti. Qui q̄ſi
putredo conſumendus ſum et
quaſi ueſtimentum quod cō

ingreditur anima mea. ℟. Ne recorderis do
mine peccata mea domine dum veni-
iudicare seculum per ignem. Vers.
Amplius lava me domine ab in
iusticia mea et a delicto meo mun
da me. Dum veneris iudicare secu
lum per ignem. Lectio quinta:

Homo natus de mulie
re brevi vivens tem
pore: repletur multis miseriis
Qui quasi flos egreditur et cō
teritur. et fugit velut umbra
et numquam in eodem statu per

manet. Et dignum ducis
super huiuscemodi aperire
oculos tuos et adducere eum
tecum in iudicium. Quis po
test facere mundum de immun
do conceptum semine: Non
ne tu qui solus es: Breves
dies hominis sunt: et numerus
mensium eius apud te est. Con
stituisti terminos qui preteri
ri non poterunt. Recede ergo
paululum ab eo ut quiescat
donec optata veniat sicut

mercenarij dies eius. R̄n̄.
Domine quando ueneris iudicare
terram ubi me abscondam a uul
tu ire tue. quia peccaui nimis in
uita mea. V̄ Commissa mea
pauesco et ante te erubesco dum
ueneris iudicare noli me condem
pnare. Quia peccaui nimis in uita
mea. lectio sexta.
Quis michi hoc tribu
at ut in inferno protegas
me. et abscondas me donec per
transeat furor tuus et consti

tuas michi tempus in quo re
corderis mei: Putas ne mortu
us homo rursum uiuat cunc
tis diebus quibus nunc mi
lito expecto donec ueniat ī mu
tatio mea: uocabis me + ego
respondebo tibi. operi manuū
tuarum porriges dexterā: tu
quidem gressus meos dinu
merasti: sed parce peccatis me
is. R. Peccantem me cotidie et
non penitentem timor mortis con
turbat me. quia in inferno nulla ē

redemptio miſerere mei deus et ſal
ua me. ℣. De profundis clamaui
ad te domine domine exaudi uo-
cem meam. Quia in inferno nulla
eſt redemptio miſerere mei deus et
ſalua me. In tercio nocturno. A[ntiphona].
Domine abſtraxiſti. pſalmus.
Exaltabo te domine
quoniam ſuſcepi
ſti me nec delectaſti inimi
cos meos ſuper me. Domine
deus meus clamaui ad te &
ſanaſti me. Domine

eduxiſti ab inferno aīam
meam ſaluaſti me a deſcen-
dentibus in lacum. Pſal-
lite domino ſancti eius et con-
fitemini memorie ſanctita-
tis eius. Quoniam ira
in indignatione eius et uita
in uoluntate eius. Ad
ueſperum demorabitur fle-
tus et ad matutinum leticia.
Ego autem dixi in habū-
dancia mea non mouebor: in
eternum. Domine in

uoluntate tua prestitisti deco
ri meo uirtutem. Auer
tisti faciem tuam a me et fac
tus sum conturbatus. Ad
te domine clamabo et ad de
um meum deprecabor.
Que utilitas in sanguine
meo dum descendo in corrup
tionem. Numquid con
fitebitur tibi puluis aut an
nunciabit ueritatem tuā.
Audiuit dominus et mi
sertus est mei dominus fact⁹

est adiutor meus. Conui
tisti planctum meum in gau
dium michi conscidisti saccũ
meum et circundedisti me ĩ
leticia. Ut cantet tibi glo
ria mea et non compungar
domine deus meus in eternum cõ
fitebor tibi. Requiem. Ã.
Domine abstraxisti ab inferis ani
mam meam. ñ. Complaceat tibi
Expectans expectaui do
minum et intendit
michi. Et exaudiuit pre

des meos et eduxit me de lacu
miserie et de luto fecis. Et
statuit supra petram pedes me
os et direxit gressus meos.
Et immisit in os meum
canticum novum carmē deo
nostro. Videbunt multi
et timebunt et sperabunt in
domino. Beatus vir cu
ius est nomen domini spes
eius et non respexit in vani
tates et insanias falsas.
Multa fecisti tu domine

deus mirabilia tua et cogita
tionibus tuis non est quis
similis sit tibi. Annunti
aui et locutus sum multi
plicati sunt super numerum.
Sacrificium et oblatio
nem noluisti aures autem
perfecisti michi. Holocau
stum etiam pro peccato non pos
tulasti tunc dixi ecce uenio.
In capite libri scriptum
est de me ut facerem volun
tatem tuam deus meus vo

lui et legem tuam in medio
cordis mei. Annunciaui
iuſticiam tuam non abſcon
di in corde meo ueritatē tuā
et ſalutare tuum dixi. Non
abſcondi miām tuam et ue
ritatem tuam a conſilio mul
to. Tu autem domine ne
longe facias miſerationes
tuas a me miā tua et ueritas
tua ſemper ſuſceperunt me.
Quoniam circumdederūt
me mala quorum non ē nu

meus compꝛehenderunt me
iniquitates mee et nō potu
it viderem. Multiplica
te ſunt ſuper capillos capitis
mei et coꝛ meum dereliquit
me. Complaceat tibi do
mine ut eripias me domine ad
adiuuandum me reſpice.
Confundantur et reue
reantur ſimul qui querūt
animam meam ut auferāt
eam. Confundantur re
troꝛſum et reuereantur ſimul

uolunt michi mala. Fe-
rant confestim confusionem
suam qui dicunt michi euge
euge. Exultent et letentur
super te omnes querentes te
et dicant semper magnifice-
tur dominus qui diligunt sa-
lutare tuum. Ego autem
mendicus sum et pauper. Do-
minus sollicitus est mei.
Adiutor meus et protec-
tor meus es tu ne tardaueris.
Requiem eternam dona

Complaceat tibi domine ut eruas me
domine ad adiuuandum me respi-
Ant. Sitiuit anima. Ps.
Quemadmodum de-
siderat ceruus ad fontes aq̃-
uarum ita desiderat anima
mea ad te deus. Sitiuit
anima mea ad deum
fontem uiuum quando ue-
niam et apparebo ante faci-
em dei. Fuerunt michi
lacrime mee panes die ac
nocte dum dicitur michi co-

tidie ubi est deus tuus. Hec
recordatus sum et effudi in
me animam animā me-
am quoniam transibo in
locum tabernaculi admi-
rabilis usq: ad domum dei
In voce exultationis et
confessionis sonus epulā-
tis. Quare tristis es an-
ima mea et quare conturbas
me. Spera in deo quoni-
am adhuc confitebor illi sa-
lutare vultus mei et deus

meus. Ad me ipsum anima
mea conturbata est propter
ea memor ero de terra iorda
nis et hermoniim a monte
modico. Abyssus abys
sum invocat in voce cathara
ctarum tuarum. Omnia
excelsa tua et fluctus tui su
per me transierunt. In
die mandavit dominus mi
sericordiam suam et nocte
canticum eius. Apud
me oratio deo vite mee dicam

deo ſuſceptor meus es tu.
Quare oblitus es mei
et quare contriſtatus incedo
dum affligit me inimicus
Dum confringuntur
oſſa mea exprobrauerunt
michi qui tribulant me ini
mici mei. Dum dicunt
michi per ſingulos dies ubi
eſt deus tuus. Quare triſ
tis es anima mea et quare
conturbas me. Spera in
deo quoniam adhuc confite

bor illi salutare vultus mei
et deus meus. Requiem
eternam dona eis domine. Ant.
Sitivit anima mea ad deum fortem
vivum quando veniam et appare-
bo ante faciem dei. V. Audivi voce
de celo dicentem michi. R. Beati
mortui qui in domino moriuntur.

Spiritus meus atte-
nuabitur dies mei
breviabuntur: et solum mihi
superest sepulcrum: Non pec-
cavi et in amaritudinibus

moratur oculus meus. Libera
me et pone me iuxta te: et cui
us vis manus pugnet con
tra me. Dies mei transierunt
cogitationes mee dissipate sunt
torquentes cor meum. Noc
tem verterunt in diem: et
rursum post tenebras spero
lucem. Si sustinuero infer
nus domus mea est: et in te
nebris stravi lectulum me
um. Putredini dixi pater me
us es mater mea et soror me

luluum dolorem meum an
tequam vadam et non re
vertar ad terram tenebroſã
et opertam mortis caligie
Terram miſerie et tenebrar
ubi umbra mortis et null'
ordo ſed ſempiternus horror
inhabitans. responſorium
Libera me domine de morte eterna
in die illa tremenda. Quando celi
movendi ſunt et terra. Dum ve
neris iudicare ſeculum p ignē.
Dies illa dies ire calamitatis.

miserie dies magna et amara valde
Quando celi movendi sunt et terra. V
Tremens factus sum ego et timeo
dum discussio venerit atque ventura
ira. Quando celi movendi sunt et terra. V
Tremebunt angeli et archangeli
impii autem ubi parebunt. Quando
celi movendi sunt et terram. Vers.
Vae iustus salvabitur et ego mi
ser ubi parebo. Quando celi mo. V
Quid ergo miserrimus quid di
cam vel quid faciam dum nil
boni perferam ante tantum iudicem

Quando celi movendi sunt et terra. V.
Ue de celis o vos mortui qui in
cenis in sepulcris surgite et occur
rite ad iudicium salvatoris. Quan
do celi movendi sunt et terra. R.
Creator omnium rerum qui me
de limo terre formasti et mirabi
liter proprio sanguine redemisti
corpusque meum licet modo putre
scat de sepulcro facies in die iudi
cii resuscitari exaudi exaudi me
ut animam meam in sinum abra
he iubeas collocari. V. Libera

me domine de morte eterna in die
illa tremenda. Quando celi mo
vendi sunt et terra. In laudibus
Requiem eternam. psalmus:
Miserere mei deus se
cundum magnam miseri
cordiam tuam. Et secun
dum multitudinem mise
rationum tuarum dele in
iquitatem meam. Amplius
lava me domine ab iniqui
tate mea et a peccato meo
munda me. Quoniam

iniquitatem meam ego cog
nosco et peccatum meum
contra me est semper. Ti
bi soli peccavi et malum co
ram te feci ut iustificeris in
sermonibus tuis et vincas
cum iudicaris. Ecce enim
in iniquitatibus conceptus sum
et in peccatis concepit me mater
mea. Ecce enim verita
tem dilexisti incerta et occul
ta sapientie tue manifesta
sti michi. Asperges me

domine ysopo et mundabor
lavabis me et super nivem
dealbabor. Auditui meo
dabis gaudium et leticiam
et exultabunt ossa humili
ata. Averte faciem tuam
a peccatis meis et omnes in
iquitates meas dele. Cor
mundum crea in me deus et
spiritum rectum innova in
visceribus meis. Ne proi
cias me a facie tua et spiri
tum sanctum tuum

ne auferas a me. Redde
michi leticiam salutaris
tui et spiritu principali con-
firma me. Docebo iniquos
vias tuas et impii ad te con-
vertentur. Libera me de
sanguinibus deus deus sa-
lutis mee et exultabit lingua
mea iusticiam tuam. Do-
mine labia mea aperies et
os meum annunciabit lau-
dem tuam. Quoniam
si voluisses sacrificium de-

dissem utique holocaustis nõ
delectaberis. Sacrificium
deo spiritus contribulatus
cor contritum et humilia
tum deus non despicies.
Benigne fac domine i
bona voluntate tua syon
ut edificentur muri ihr̃lm.
Tunc acceptabis sacri
ficium iusticie oblationes
et holocausta tunc imponẽt
super altare tuum vitulos
Requiem eternam do

Requiem eternam dona eis domine
et lux perpetua luceat eis. A. Exaudi
Te decet hympnus de
us in syon et tibi red
detur votum in ihrlm. Ex
audi orationem meam ad
te omnis caro veniet. Ver
ba iniquorum prevaluerunt
super nos et impietatibus nostris
tu propiciaberis. Beatus
quem elegisti et assumpsisti
inhabitabit in atriis tuis. Re
plebimur in bonis domus tue

ſanctum eſt templum tu
um mirabile in equitate
Exaudi nos deus ſalu
taris noſter ſpes omnium
finium terre et in mari lō
ge. Preparans montes
in uirtute tua accinctus po
tentia qui conturbas profū
dum maris et ſonum fluc
tuum eius. Turbabun
tur gentes et timebunt qui
hītant terminos a ſignis
tuis exitus matutini et uſpe

delectabis. Visitasti ter
ram et inebriasti eam mul
tiplicasti locupletare eam
Flumen dei repletum
est aquis parasti cibum il
lorum quoniam ita ē pre
paratio eius. Rivos eius i
nebrians multiplica geni
mina eius in stillicidiis e
letabitur germinans. Be
nedices corone anni beni
gnitatis tue et campi tui reple
buntur ubertate. Pin

guescent speciosa deserti et
exultatione colles accingē
gentur. Induti sunt a
rietes ovium et valles ha
bundabunt frumento cla
mabunt etenim hy̅mp
num dicent. Requiem
Exaudi domine orationem meā
ad te omnis caro veniet. antiph̄
Me suscepit. psalm̄.
Deus deus meus ad
te de luce vigilo. Sitivit
in te anima mea quā multi

pliciter tibi caro mea. In
terra deserta invia et inaq
sa sic in sancto apparui tibi
ut viderem virtutem tuam
et gloriam tuam et glori
am tuam. Quoniam
melior est misericordia tua super vi
tas labia mea laudabunt
te. Sic benedicam te in vi
ta mea et in nomine tuo
levabo manus meas.
Sicut adipe et pingue
dine repleatur anima mea

et labijs exultationis lau
dabit os meum. Si me
mor fui tui super stratum meum
in matutinis me
ditabor in te quia fuisti ad
iutor meus. Et in ve
lamento alarum tuarum
exultabo adhesit anima mea
post te me suscepit dextera
tua. Ipsi vero in vanum
quesierunt animam meam
introibunt in inferiora
terre tradentur in manus

gladii partes vulpium erunt
Rex vero letabitur in deo
laudabuntur omnes qui
iurant in eo quia obstruc
tum est os loquentium iniqua
Deus misereatur no
stri et benedicat nobis
illuminet vultum suum
super nos et misereatur nostri
Ut cognoscamus in terra
viam tuam in omnibus
gentibus salutare tuum
Confiteantur tibi populi

deus confiteantur tibi ppli
omnes. Letentur et ex
ultent gentes quoniã iudi
cas populos in equitate et
gentes in terra dirigis.
Confiteantur tibi ppli
deus confiteantur tibi po
puli deus confiteantur ti
populi omnes terra dedit
fructum suum. Benedi
cat nos deus deus noster be
nedicat nos deus et metuant
eum omnes fines terre.

Requiem eternam do.
Me suscepit dextera tua domine. A
A porta inferi. psalmus david
Ego dixi in dimidio
dierum meorum va
dam ad portas inferi. Que
sivi residuum annorum
meorum dixi non videbo
dominum deum in terra
viventium. Non aspi
ciam hominem ultra et ha
bitatorem quietis. Ge
neracio mea ablata est et co

uoluta est a me quasi tab
ernaculum pastorum. Pre
cisa est uelud a texente uita
mea dum adhuc ordirer
succidit me de mane usque ad
uesperam finies me. Spe
rabam usque ad mane quasi
leo sic contriuit omnia os
sa mea. De mane usque
ad uesperam finies me sic
pullus hirundinis sic cla
mabo meditabor ut colum
ba. Attenuati sunt oculi

mei ſuſpirantes in excelſo
Domine vim patior reſ
ponde pro me quid dicam aut
quid reſpondebit michi cum
ipſe fecerim. Recogitabo
tibi omnes annos meos in
amaritudine anime mee.
Domine ſi ſic vivitur
et in talibus vita ſpiritus
mei corripies me et vivifi
cabis me ecce in pace ama
ritudo mea amariſſima:
Tu autem eruiſti ani

mam meam ut non peri
ret proiecisti post tergum
tuum omnia peccata mea
Quia in infernus con
fitebitur neque mors lau
dabit te non expectabunt qui
descendunt in lacum verita
tem tuam. Vivens vivens
ipse confitebitur tibi sicut et
ego hodie pater filiis notam
faciet veritatem tuam. Do
mine salvum me fac et psal
mos nostros cantabimus

anctis diebus uite nostre in domo domini. Requiem eternam dona eis domine. Requiem.

A porta inferi erue domine animas eorum. ant. Omnis spiritus. ps.

Laudate dominum de celis laudate eum in excelsis. Laudate eum omnes angeli eius lauda te eum omnes uirtutes eius. Laudate eum sol et luna laudate eum stelle et lumen. Laudate eum celi celorum et aque que sup

celos sunt. Laudent nomen do
mini. Quia ipse dixit et
facta sunt ipse mandavit et
creata sunt. Statuit ea
in eternum et in seculum
seculi preceptum posuit et
non preteribit. Laudate
dominum de terra dracões
et omnes abissi. Ignis
grando nix glacies spiritus
procellarum que faciunt ver
bum eius. Montes et õ
colles ligna fructifera et oẽs

in cubilibus suis. Exulta
tiones dei in gutture eorum:
gladii ancipites in manibus
eorum. Ad faciendam vindic
tam in nationibus: increpa
tiones in populis. Ad alli
gandos reges eorum in compe
dibus: et nobiles eorum in
manicis ferreis. Ut
faciant in eis iudicium
conscriptum gloria hec est
omnibus sanctis eius.
Laudate dominum i

ſanctis eius laudate eum
in firmamento virtutis eius
Laudate eum in virtu
tib; eius laudate eum ſecū
dum multitudinē magnitu
dinis eius. Laudate
eū in ſono tube laudate eū
in pſalterio et cythara.
Laudate eum in tym
pano et choro laudate eū
in cordis et organo.
Laudate eū in cym
balis beneſonantib; lauda

te eum in cymbalis iubi
lationis omnis spiritus
laudet dominum. Re
quiem eternam dona eis.
Omnis spiritus laudet dominum
Credo. ps. Benedictus.
Credo [illegible] expectantes re
surrectionem et vitam eternam
[illegible]
[illegible] sed
inter agnos [illegible]
[illegible]
In memoria eterna erunt iusti